RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:132 ता. 17 नवम्बर 2022, गुरूवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

मिजोरम में पेट्रोल ले जा रहे टैंकर में लगी भीषण आग से अब तक 11 की मौत

आईजोल। मिजोरम के आइजोल जिले में 29 अक्तूबर को बड़ी घटना हुई थी। यहां के तुइरियाल में 22 हजार लीटर पेट्रोल ले जा रहे टैंकर में आग लग गई थी। पुलिस ने अब बताया है कि इस घटना में कुल 11 लोगों की मौत हुई है, जबकि पहले चार लोगों की मौत सामने आई थी। पूर्वोत्तर के राज्य मिजोरम में कुछ दिन पहले 22000 लीटर पेट्रोल लेकर जा रहे टैंकर में लगी आग के बाद विस्फोट से अब तक 11 लोगों की मौत हो गई। मिजोरम की राजधानी आइजोल में तेल लेकर जा रहे एक टैंकर में 29 अक्टूबर को आग लग गई थी । आग लगने के बाद तेल टैंकर में जोरदार धमाका हुआ जिससे चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि 18 लोग घायल हो गए थे। घायलों को अस्पलात में भर्ती कराया गया था, इजाल के दौरान कई लोगों की मौत हो गई। अब तक इस घटना में 11 लोगों की मौत हो गई। टैंकर तेल लेकर चम्पई जा रहा था। चम्पई जा रहा तेल टैंकर राजधानी आइजोल से लगभग 18 किलोमीटर की दूरी पर स्थित तुइरियाल इलाके में पहुंचा ही था कि हादसे का शिकार हो गया. बताया जा रहा है कि इस टैंकर में लगभग 22000 लीटर पेट्रोल भरा हुआ था।आग लगने के बाद पेट्रोल से भरे टैंकर में विस्फोट हो गया। विस्फोट इतना जोरदार था कि आसपास के कुछ वाहन भी इसकी चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गए।

पुलिस के मुताबिक, यह घटना तब हुई जब टैंकर से छलक रहे पेट्रोल को लेने के लिए आसपास भीड़ लग गई। इसी दौरान वहां खड़े एक व्यक्ति ने लाइटर जला दिया, जिससे आग लग गई और भीषण हादसा हो गया। पुलिस ने लाइटर जलाने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों का कहना है कि व्यक्ति ने दो नवंबर को अपना अपराध स्वीकार किया था, उसने कहा था कि उससे यह अनजाने में हुआ था। अधिकारियों ने बताया, आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

उत्तर भारत में कोहरे की दस्तक, न्यूनतम तापमान भी गिरावट

नई दिल्ली। पहाड़ों पर बर्फबारी होने के साथ ही मैदानी इलाकों में पारा गिरने लगा है। उत्तर भारत में कोहरे की दस्तक के साथ ठंड शुरु हो गया है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान समेत उत्तर भारत के राज्यों के न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। सुबह के समय कोहरे का भी साया देखने को मिल रहा है। दिल्ली में बीते कई दिन से न्यूनतम तापमान 14 से 16 डिग्री दर्ज किया जा रहा है। उधर, पहाड़ों पर भारी बर्फबारी जारी है। हिमाचल और कश्मीर बर्फ की सफेद चादर में लिपटे नजर आ रहे हैं। दिल्ली के मौसम का हाल मौसम विभाग की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, आज, 16 नवंबर को दिल्ली में न्यूनतम तापमान 16 डिग्री और अधिकतम तापमान 30 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। वहीं, सुबह के वक्त कोहरा और आसमान में धुंध देखने को मिल रही है।

इन राज्यों में आज हो सकती है बारिश

स्काईमेट वेदर के मुताबिक, आज यानी 16 नवंबर 2022 को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। तमिलनाडु, केरल, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक के कुछ हिस्सों और दक्षिण आंध्र प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। अगले 2 से 3 दिनों के दौरान उत्तर पश्चिम और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में दिन और रात के तापमान में 2-4 डिग्री की गिरावट आ सकती है। स्काईमे वेदर के मुताबिर, बंगाल की खाड़ी में लगातार दूसरा निम्न दबाव बनने वाला है यह तमिलनाडु की तरफ बढ़ेगा तथा आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु सहित दक्षिण भारत में बारिश देगा। वहीं पश्चिमी विक्षोभ आगे बढ़ चुका है अब नया पश्चिमी विक्षोभ 19 नवंबर को पहाड़ों पर पहुंचेगा तथा बारिश और बर्फबारी देगा। बर्फीली हवाएं उत्तर और मध्य भारत सहित पूर्वी भारत में दिन और रात के तापमान को कम करेगी

प्रधानमंत्री ने मिजोरम खदान हादसे पर जताया दुख

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मिजोरम खदान हादसे पर दुख जताते हुए बुधवार को मृतकों के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2-2 लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्वीट संदेश में कहा कि मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने मिजोरम में दुखद पत्थर खदान ढहने के कारण अपने प्रियजनों को खो दिया। पीएमएनआरएफ की ओर से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि सोमवार को मिजोरम के हनथियाल जिले के मौदढ़ इलाके में एक पत्थर की खदान ढहने के कारण आठ श्रमिकों की मौत हो गई थी।

आप प्रत्याशी कंचन जरिवाला के लापता होने का दावा

गुजरात आप सीएम उम्मीदवार इसुदान ने भाजपा पर लगाए संगीन आरोप

नई दिल्ली। गुजरात के सूरत ईस्ट से चुनाव लड़ रहे आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी कंचन जरिवाला अचानक लापता हो गए है। इस बीच गुजरात में आम आदमी पार्टी के सीएम उम्मीदवार इसुदान गढ़वी ने भाजपा पर आरोप लगाया है कि कंचन जारिवाला के लापता होने में भारतीय जनता पार्टी का हाथ है। इसुदान गढ़वी के मुताबिक, कंचन जरिवाला के साथ-साथ उनका पूरा परिवार भी गायब है।

भाजपा पर लगाया आरोप-इसुदान गढ़वी ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा, ÷भाजपा आप पार्टी से इतनी डरी हुई है की वो गुंडागर्दी पर आ गई है ! सूरत ईस्ट से चुनाव लड़ रहे हमारे कंचन जरिवाला के पीछे भाजपा वाले कुछ दिनो से पीछे पड़े हुए थे और आज वो गायब है ! माना जा रहा है की भाजपा के गुंडो ने उन्हें उठा ले गए है ! उनका परिवार भी ग़ायब है ! भाजपा कितनी गिरेगी ?

कौन है इसुदान गढ़वी?

गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए आप पार्टी के सीएम पद के उम्मीदवार इसुदान गढ़वी खंभालिया विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। इसुदान गढ़वी गुजरात के लोकप्रिय टीवी के एंकर और पूर्व पत्रकार भी रहे चुके हैं। वह जून 2021 में आप पार्टी के सदस्य बने थे। वर्तमान में इसुदान गढ़वी आप पार्टी के राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव हैं, और पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य भी हैं। बता दें कि चुनाव आयोग ने गुजरात विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। 182 सीटों का विधानसभा चुनाव दो चरण में होगा। पहला चरण 1 दिसंबर और दूसरा चरण में 5 दिसंबर को मतदान होगा। गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए आप पार्टी के सीएम पद के उम्मीदवार इसुदान गढ़वी खंभालिया को लेकर सीएम केजरीवाल ने कहा, ÷किसान , बेरोज़गार युवाओं ,महिलाओं ,व्यापारी के लिए सालों तक आवाज़ उठाने वाले इसुदान गढ़वी जाम खम्भालिया से चुनाव लड़ेंगे ! भगवान कृष्ण की पावन भूमि से गुजरात को एक नया और अच्छा मुख्यमंत्री मिलेगा।

श्रद्धा को हो गया था खतरे का अहसास, फिर भी आफताब पर करती रही भरोसा; दोस्तों ने क्या-क्या बताया

नई दिल्ली। श्रद्धा वाकर के एक करीबी मित्र का कहना है कि उसकी हत्या के पीछे बड़ी साजिश हो सकती है। वहीं, एक अन्य दोस्त ने दावा किया कि उसने एक बार संदेह जताया था कि आफताब पूनावाला श्रद्धा की हत्या कर सकता है, श्रद्धा को आफताब से जान का खतरा था।

श्रद्धा के दोस्त ने दावा किया कि जब श्रद्धा मुंबई के पास वसई शहर में रह रही थी, तब एक बार उसने मुझे मैसेज किया और उसे ले जाने को कहा था। उसने कहा था कि अगर वह वहां रही तो उसे आफताब मार डालेगा। उसने कहा कि इसके बाद कुछ दोस्तों ने आफताब के पास जाकर उसे चेताया था। तब हम आफताब के खिलाफ पुलिस से संपर्क करने जा रहे थे, लेकिन श्रद्धा ने हमें उस वक्त रोक दिया। उसकी और श्रद्धा की बातचीत जुलाई में श्रद्धा के ही मोबाइल पर टेक्स्ट मैसेज के जरिये हुई थी। इसके बाद वह श्रद्धा से संपर्क नहीं कर पाया और उसे उसके बारे में चिंता होने लगी थी। तब उसने श्रद्धा के परिवार वालों को सतर्क किया था। तब उसने अन्य दोस्तों से श्रद्धा के बारे में पूछा, लेकिन कोई जानकारी न मिलने पर उसने श्रद्धा के भाई से कहा कि अब

पुलिस से संपर्क करना चाहिए। एक अन्य करीबी मित्र ने कहा कि पुलिस को आफताब और उसकी पृष्ठभूमि के बारे में पता लगाना चाहिए क्योंकि हो सकता है कि यह हत्या एक बड़ी साजिश हो।

पत्रकार बनना चाहती थी

दोस्त ने कहा कि श्रद्धा मास मीडिया में स्नातक करने के बाद पत्रकार बनना चाहती थी। वह रंगमंच भी करती थी। वह बहुत सक्रिय थी और उसका आकर्षक व्यक्तित्व था। उन लोगों ने 2018 में श्रद्धा में बदलाव महसूस किया। वह दुखी रहने लगी थी। मेरे विचार से यह वही समय था, जब आफताब उसके जीवन में आया। उन्हें 2019 में पूनावाला और श्रद्धा के संबंधों का पता चला और तब उन्हें आफताब सामान्य आदमी लगा था।

दोस्तों से पूछताछ के बाद जुड़ेंगी कड़ियां-श्रद्धा के दोस्त लक्ष्मण और सचिन ने इनके तल्ख रिश्तों के बारे में बताया। वहीं हिमाचल प्रदेश में घूमने के दौरान श्रद्धा और आफताब की छतरपुर निवासी बद्री से मुलाकात हुई थी। आफताब ने बताया कि वह बद्री के कहने पर छतरपुर में रहने के लिए आया था। पुलिस घटना की कड़ियां जोड़ने के लिए सभी दोस्तों के बयान दर्ज कर रही है।

देश में ई-कचरे के कलेक्शन और रीसाइकिलिंग के रीयल टाइम डाटाबेस को करना होगा मजबूत

नई दिल्ली। हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में जैसे-जैसे इलेक्ट्रानिक एवं डिजिटल सेवाओं पर निर्भरता बढ़ी है, उसी अनुपात में इलेक्ट्रानिक कचरे यानी ई-वेस्ट का अंबार भी बढ़ता जा रहा है। ऐसी इलेक्ट्रानिक वस्तुएं जो उत्पादकता खत्म होने अथवा तकनीकी खराबी की वजह से उपयोग में नहीं लाई जाती हैं, ई-कचरे का रूप ले लेती हैं। देश में ई-कचरे का प्रबंधन स्वच्छ भारत, स्मार्ट सिटी और डिजिटल इंडिया अभियान का अहम हिस्सा है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी ग्लोबल ई-वेस्ट मानीटर, 2020 रिपोर्ट के मुताबिक 2019 में दुनिया में लगभग 5.36 करोड़ मीट्रिक टन ई-कचरा निकला। इस दशक के अंत तक यह 7.4 करोड़ मीट्रिक टन हो जाएगा। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के मुताबिक वित्त वर्ष 2019-20 में देश में 10,14,961.2 टन ई-कचरा निकला। दिल्ली में ही अकेले दो लाख टन ई-अपशिष्ट निकलता है। यह देश में निकलने वाले कुल ई-वेस्ट का 10 प्रतिशत है। देश में ई-वेस्ट प्रबंधन पर कई मोर्चों पर काम करना होगा। सर्कुलर इकोनमी का पहला उद्देश्य संसाधनों के टिकाऊ उत्पादन और खपत से है। लोगों को वस्तुओं के इस्तेमाल के प्रति संवेदनशील बनाना होगा। ई-कचरे के प्रबंधन और निस्तारण की पूरी प्रक्रिया में ई-कचरे का कलेक्शन, रीसाइकिलिंग और री-मैन्यूफैक्चरिंग अहम है। इसके लिए सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र को संयुक्त रूप से इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा करना होगा।

ई-कचरे के प्रारंभ से अंत तक निस्तारण की जिम्मेदारी-पर्यावरण मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत ई-वेस्ट प्रबंधन नियम-2022 का मसौदा ई-कचरे के प्रबंधन में उत्पादकों, रीसाइकिलिंग संस्थाओं, नियामकों सभी की भागीदारी तय करता है। हालांकि अभी देश में रीसाइकिलिंग कंपनियों की संख्या बहुत कम है। नए नियमों में ई-कचरे की श्रेणी 21 से बढ़ाकर 95 कर दी गई है। नए ड्राफ्ट के मुताबिक अब ब्रांड या उत्पादक को अपने उत्पादों का एक अनुपात उनकी उत्पादकताखत्म होने के अंत में वापस लेना होगा।

तीसरे विश्व युद्ध में बदलेगी यूक्रेन की जंग, पोलैंड में गिरीं रूसी मिसाइल 2 की मौत; नाटो की बैठक

नई दिल्ली। किसी भी महायुद्ध की शुरुआत किसी एक छोटी घटना से ही होती रही है और दो से अधिक देशों का जंग में उतरना हमेशा इसकी आहट माना जाता है। पहले विश्न युद्ध की बात हो या फिर दूसरे विश्व युद्ध में पोलैंड पर जर्मनी के अटैक की बात हो, दोनें बारल ऐसा ही हुआ था। कुछ ऐसा ही अब यूक्रेन से जंग में भी होता दिख रहा है। यूक्रेन पर रूस के ताबड़तोड़ हमलों के बीच अब पोलैंड भी इसमें कूदता दिख रहा है। दरअसल रूस ने मिसाइलों के जरिए यूक्रेन पर हमला बोला था, जिनमें से कुछ पोलैंड की सीमा में जा गिरीं। इन मिसाइलों के हमले में 2 लोगों की मौत हो गई है। इसके बाद से ही पोलैंड ने अपनी सेना को अलर्ट पर रखा है। खबर है कि रूसी मिसाइलें यूक्रेन की सीमा से 15 किलोमीटर दूर पोलैंड में जाकर गिरीं। इससे पोलैंड के गांव में जोरदार धमाके हुए और दो लोगों की मौत हो गई। पोलैंड नाटो का

सदस्य है और उसने सेना को अलर्ट किया है। यदि इस जंग में पोलैंड उतरता है तो नाटो देश भी उसके समर्थन में होंगे और इस तरह विश्व युद्ध जैसे हालात भी बन सकते हैं। एपी ने अमेरिकी खुफिया अधिकारी के हवाले से कहा कि यह धमाका रूसी मिसाइल के पोलैंड में गिरने से हुआ था। इन दावों की पेंटागन और वाइट हाउस की ओर से जांच की जा रही है। ोलैंड ने कहा है कि रूस में बनी मिसाइल उसके पूर्वी हिस्से में आकर गिरी है और इसके चलते दो लोगों की मौत हो गई है। वहीं रूस ने पोलैंड के दावे को खारिज किया है और इसे उकसाने वाला करार दिया है। पोलैंड ने रूस के राजदूत को तलब किया है और मिसाइल गिरने पर रिपोर्ट तलब की है। इस बीच नाटो के चीफ जेन्स स्टॉल्टेनबर्ग ने कहा कि यह पता लगाना जरूरी है कि पोलैंड में जानलेवा विस्फोटक कैसे हुआ। रूस ने ऐसे दावे से इनकार किया है। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि पोलैंड के बयान गलत हैं कि रूसी मिसाइल उनके इलाके में गिरी है। डिफेंस मिनिस्टर ने कहा कि इस तरह के आरोप लगाना गलत है और उकसाने वाला है।

क्यों पोलैंड पर हमले से जेलेंस्की हैं आक्रामक?

इस बीच जो बाइडेन ने ट्वीट कर कहा है कि हम हमले की जांच में पोलैंड का सहयोग करेंगे। इसके अलावा जी-20 बैठक में मौजूद बाइडेन ने समिट से इतर जी-7 देशों की मीटिंग बुलाई है। इसमें पोलैंड पर कथित हमले को लेकर चर्चा की गई है। इस बीच जेलेंस्की ने रूस के हमले को उकसावे की कार्रवाई बताया है। जेलेंस्की ने मिसाइल हमले के दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया, लेकिन कहा कि पोलैंड पर रूस ने मिसाइल अटैक किया है।

डांसर के हुस्न पर फिदा हो गया व्यापारी, हर महीने लाखों की कर डालती थी शॉपिंग; अंत में देनी पड़ी जान

खंडवा। मध्य प्रदेश के खंडवा से हनी ट्रैप की एक चौकानी वाली वारदात सामने आई है। हरसूद के नामी व्यापारी विनीत अग्रवाल को एक डांसर को दिल देने की कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। इसकी शुरुआत एक आर्केस्ट्रा पार्टी से हुई। पार्टी में उज्जैन की गुड़िया के डांस पर विनीत फिदा हो गया। पति को तलाक दे चुकी गुड़िया विनीत की प्रापर्टी देखी तो वह लालच में आ गई। मां और बहन के साथ मिलकर गुड़िया विनीत को अपनी जाल में फंसा लिया। शुरुआत में तो विनीत ने भी खूब खर्च किया लेकिन बाद में जब इस पर रोक लगानी चाही तो ब्लैकमेलिंग का खेल शुरू हो गया। अंत में विनीत ने नदी में कूदकर आत्महत्या कर ली। सपी विवेक सिंह की अगुआई में में हरसूद एसडीओपी रवींद्र वास्कले और टीआई अंतिम पंवार की टीम पिछले तीन दिनों से व्यापारी विनीत अग्रवाल आत्महत्या कांड को सुलझाने में लगी हुई थी। टीआई ने बताया कि सीडीआर, कॉल डिटेल व परिजन के बयान लिए गए। इससे स्पष्ट हुआ कि, उज्जैन स्थित विराट नगर निवासी गुड़िया उर्फ बिट्टू उर्फ खुशनुमा पठान बहन नरगिस (19) और मां मजहरी की प्रताड़ना से परेशान होकर विनीत ने खुदकुशी कर ली। मंगलवार सुबह तीनों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज कर लिया है। गुड़िया व नरगिस गिरफ्तार हो चुकी हैं। मां मजहरी फरार है। उसे भी गिरफ्तार किया जाएगा।

डांस गर्ल की विनीत से दोस्ती ने बदल दी थी किस्मत

उज्जैन के चिमनगंज मंडी थाना पुलिस के अनुसार गुड़िया के परिवार में मां-बहनें ही हैं। गुड़िया की शादी राहुल नामक शख्स से हुई थी। उसकी पांच साल की एक बेटी भी है। गुड़िया की ऊंची ख्वाहिशों को राहुल पूरा नहीं कर पा रहा था इसीलिए उनके बीच विवाद होने लगे। फिर इनका तलाक भी हो गया। उसके बाद फिर से तीनों एक हो गई। आर्थिक स्थिति खराब थी। गुड़िया कैटरिंग में काम करने लगी। इसी के साथ वह आर्केस्ट्रा पार्टी से जुड़ गई। वह पार्टियों में डांस करने लगी और डांस गर्ल बन गई।

रुपयों का सिलसिला थमा तो कर दूंगी बदना

विनीत ने कम समय में व्यापार से लेकर शहर में अपनी पहचान बना ली थी। वह लोगों के सामने अपनी शान-शौकत के लिए लाखों रुपए खर्च कर देता था। जिससे कि उसका नाम हो। इधर गुड़िया के हनी ट्रैप में जब विनीत पूरी तरह फंस गया तो वह पत्नी की तरह अधिकार जमाने लगी। शॉपिंग के बिल के भुगतान करते करते विनीत तंग आ गया। बताया जा रहा है कि हर महीने एक से दो लाख रुपए विनीत गुड़िया व उसके परिवार पर खर्च कर देता था। जब उन खर्चों को कंट्रोल करने के लिए विनीत ने कह तो विवाद शुरू होने लगे। उनकी मंशा भांपकर विनीत ने रुपए देने से इनकार कर दिया। इस पर गुड़िया और उसका परिवार विनीत को ब्लैकमेल करने लगा। गुड़िया धमकाने लगी कि मैं हरसूद में आकर हंगामा करूंगी। घर में तेरी पत्नी को बताऊंगी फोटो-वीडियो वायरल कर तेरी इज्जत कर दूंगी। पत्नी मोनिका ने भी पति को गुड़िया व उसकी मां-बहनों द्वारा प्रताड़ित करने का बयान दर्ज करवाया है।

प्रेम के ड्रामे से शुरू हुई कहानी ब्लैकमेलिंग पर खत्म

विनीत के दोस्त लक्की उर्फ ललित शर्मा कैटरर्स हैं। पुलिस को दिए बयान में लक्की ने बताया कि डेढ़ साल पहले मांडू में खाद-बीज कंपनी ने आर्केस्ट्रा पार्टी रखी थी। जिसमें खिरकिया के खाद-बीज व्यापारी विवेक जैन के साथ विनीत भी उसमें शरीक हुए थे। पार्टी में गुड़िया ने डांस किया। गुड़िया के डांस और खूबसूरती का विनीत मुरीद हो गया। दोनों का परिचय हुआ और फिर एक-दूसरे के मोबाइल नंबर लिए।

चेन्नई में कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी के दो गुटों के बीच जमकर हुई मारपीट, 4 कार्यकर्ता घायल

चेन्नई । चेन्नई में कांग्रेस पार्टी मुख्यालय में दो समूहों के बीच मंगलवार रात जमकर मारपीट हुई। दरअसल तमिलनाडु से जा चुकी कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी का झंडा फहराने पर चर्चा हो रही थी। इसी दौरान विवाद पैदा हो गया। बताया जाता है कि यह हिंसक झड़प टीएनसीसी कोषाध्यक्ष और नंगुनेरी विधायक रूबी आर मनोहरन के समर्थकों के बीच हुई है। टीएनसीसी मुख्यालय सत्यमूर्ति भवन में हुई झड़प में कम से कम चार पार्टी कार्यकर्ता घायल हो गए हैं। पार्टी ने अभी तक पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई है। हाल ही में कांग्रेस के दो प्रखंड अध्यक्षों कलक्कड़ और नंगुनेरी के चुनाव परिणामों की घोषणा से क्षुब्ध मनोहरन के समर्थक पांच बसों में सवार होकर पार्टी मुख्यालय पहुंचे थे। आरोप यह था कि ब्लॉक अध्यक्षों, तिरुनेलवेली पूर्वी डीसीसी अध्यक्ष केपीके जयकुमार के समर्थकों को स्थानीय विधायक मनोहरन की जानकारी के बिना चुना गया था। यह विरोध टीएनसीसी अध्यक्ष केएस अलागिरी द्वारा एआईसीसी सचिवों, पूर्व टीएनसीसी अध्यक्षों, कार्यकारी अध्यक्षों, पूर्व विधायकों और सांसदों और मौजूदा विधायकों और सांसदों के साथ संसद चुनावों पर चर्चा करने और प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के झंडे के खंभे लगाने के लिए निर्धारित बैठक के दौरान हुआ। इस बैठक में शामिल पार्टी के एक नेता ने बताया कि जब मनोहरन ने जोर देकर कहा कि पार्टी के भीतर हुए चुनाव को रद्द कर दिया जाना चाहिए तो अलागिरी ने कहा कि टीएनसीसी प्रमुख के रूप में उन्होंने कभी भी चुनावों में हस्तक्षेप नहीं किया और उनके पास इस तरह की भूमिका निभाने की कोई शक्ति नहीं थी। क्योंकि पार्टी के रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा इसकी देखरेख की जाती थी। वहीं अलागिरी ने 'अराजक तत्वों' के खिलाफ पार्टी आलाकमान द्वारा कड़ी कार्रवाई की मांग की।

'पसमांदा मुस्लिम समाज' का राग भाजपा व आरएसएस का नया शिगुफा : मायावती

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी द्वारा मुस्लिम पसमांदा समाज सम्मेलन आयोजित करने पर निशाना साधते हुए बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने बुधवार को इसे भाजपा व आरएसएस (राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ) का नया शिगूफा बताया। बसपा प्रमुख ने बुधवार को ट्वीट किया, केवल संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ की खातिर 'पसमांदा मुस्लिम समाज' का राग भाजपा व आरएसएस का अब नया शिगुफा है। मुस्लिम समाज, पहले मुसलमान हैं तथा उनके प्रति, इनकी (भाजपा, संघ) सोच, नीयत, नीति क्या है, यह किसी से भी छिपा नहीं। उन्होंने कहा, भाजपा की मुस्लिम समाज के प्रति नकारात्मक सोच का परिणाम है कि इनकी सरकार में भी वे लगभग उतने ही गरीब, पिछड़े, त्रस्त एवं जान-माल-मजहब के

मामलों में असुरक्षित हैं जितने वे कांग्रेसी राज में थे। मुस्लिम समाज का, दलितों की तरह उपेक्षित रहना अति-दु:खद व दुर्भाग्यपूर्ण। गौरतलब हैं कि पिछले सप्ताह मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र रामपुर में उपचुनाव के बीच भारतीय जनता पार्टी ने लाभार्थी सम्मेलन के रूप में पसमांदा मुसलमानों की भीड़ जुटाई थी। इस सम्मेलन में भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और राज्य मंत्री बलदेव ओलक सहित अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने रामपुर के गांधी स्टेडियम में मुस्लिमों की एक जनसभा को संबोधित किया था। भारतीय जनता पार्टी की उत्तर प्रदेश के मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में ऐसे कई सम्मेलन करने की योजना हैं।

अग्निवीर के लिए म.प्र., छत्तीसगढ़ की 30 हजार लड़कियों क़े आवेदन

- 1600 लड़कियों का होगा चयन

जबलपुर। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ से 30,000 से ज्यादा लड़कियों के पंजीयन अग्निवीर के लिए किए गए हैं। सेना के लिए 1620 महिलाओं को मौका दिया जाएगा। जबलपुर मुख्यालय में भर्ती प्रक्रिया 20 से 21 नवंबर तक चलेगी। सेना पुलिस कोर में अग्निपथ योजना के तहत महिलाओं की भर्ती की जा रही है। यह भर्ती जम्मू एवं कश्मीर राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर में चलेगी। सेंटर में 800- 800 उम्मीदवारों का 2 दिन टेस्ट होगा। अग्निवीर मैं महिलाओं की भर्ती के लिए जबलपुर सेंटर मैं प्रतियोगिता होगी। सेना भर्ती कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1620 उम्मीदवारों का चयन किया जाना है। छत्तीसगढ़ की 290 लड़कियों ने आवेदन किए हैं। वहीं छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश से जो आवेदन प्राप्त हुए हैं। वह 30,000 की संख्या में है।

देश में कोरोना के उपचाराधीन मरीज घटकर 7,561 हुए

नई दिल्ली। भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 501 नए मामले सामने आने से देश में अब तक संक्रमित हो चुके लोगों की संख्या बढ़कर 4,46,66,676 पर पहुंच गई। वहीं उपचाराधीन मरीजों की संख्या 7,918 से घटकर 7,561 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार संक्रमण से दो और मरीजों के जान गंवाने से मृतक संख्या बढ़कर 5,30,535 हो गई। इनमें से एक मरीज गुजरात और एक राजस्थान का था। अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक देश में कोरोना वायरस संक्रमण के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 7,561 रह गई है, जो कुल मामलों का 0.02 प्रतिशत है। वहीं मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.79 प्रतिशत है। देश में अभी तक कुल 4,41,28,580 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं, जबकि कोविड-19 से मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। मंत्रालय के अनुसार राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 219.82 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं।

ममता बनर्जी ने कहा कि अगर केंद्र राज्यों का बकाया नहीं चुका सकता तो जीएसटी व्यवस्था वापस ले लो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा नीत केंद्र सरकार के खिलाफ तीखा हमला करते हुए मंगलवार को कहा कि अगर केंद्र राज्य का बकाया नहीं चुका सकता तो उसे वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था को वापस ले लेना चाहिए। ममता ने आश्चर्य व्यक्त किया कि क्या उनसे अपने बकाये के लिए ''हाथ फैलाने'' की उम्मीद की जाती है? आदिवासी बहुल झारग्राम जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि केंद्र को या तो राज्यों का बकाया चुकाना चाहिए या सत्ता छोड़ देनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'अपने वित्तीय बकाया के भुगतान के लिए क्या हमे केंद्र के सामने हाथ फैलाने पड़ेंगे। वे मनरेगा का कोष जारी नहीं कर रहे हैं। अगर भाजपा सरकार हमारे बकाया का भुगतान नहीं करती तो उसे सत्ता छोड़नी होगी। केंद्र अगर हमारे बकाया का भुगतान नहीं कर सकता तो उसे जीएसटी बंद कर देना चाहिए।' मुख्यमंत्री ने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा के जयंती कार्यक्रम में कहा, 'वे जीएसटी बकाया देकर हम पर कोई अहसान नहीं कर रहे हैं, यह लोगों का पैसा है जिसे उन्होंने (केंद्र) ने जीएसटी के माध्यम से एकत्रित किया है।' बनर्जी ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर इस मुद्दे को उठाया था। उन्होंने कहा, 'हम जीएसटी को लागू करने पर सहमत हुए थे। हमने सोचा था कि केंद्र हमारा बकाया चुकाएगा, लेकिन अब केंद्र जीएसटी के रूप में सारा पैसा एकत्र कर रहा है लेकिन हमें हमारा बकाया नहीं दे रहा है। मैंने प्रधानमंत्री से मुलाकात की थी और उनसे अनुरोध किया था, लेकिन कोई असर नहीं हुआ। क्या हमें इसके लिए भीख मांगनी चाहिए?' मुख्यमंत्री ने कहा, 'हमे जीएसटी क्यों देना चाहिए? जब केंद्र हमारे बकाये का भुगतान नहीं कर रहा है। अगर केंद्र हमे पैसा नहीं दे सकता, तो हम भी जीएसटी देना बंद कर सकते हैं। देश राजनेताओं नहीं बल्कि लोगों के लिए है। यह भाजपा का पैसा नहीं है।' बाद में, स्थानीय लोगों के साथ बातचीत करते हुए बनर्जी ने दावा किया कि जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन से पेयजल परियोजना के रुकने का प्राथमिक कारण केंद्र से पर्याप्त धन नहीं मिलना है। इस बीच, बनर्जी के आरोपों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा नेता राहुल सिन्हा ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस सरकार के मनरेगा के तहत खर्च किए गए धन से जुड़े प्रमाणपत्र जमा करने में विफल रहने के कारण पैसा रोका गया।

भारत जोड़ो यात्रा असली राहुल गांधी को सामने लाई: जयराम

- जयराम रमेश ने कहा, भारत जोड़ो यात्रा ने कांग्रेस सांसद की छवि पूरी तरह से बदल दी

वाशिम (एजेंसी)। (ईएमएस)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश का कहना है कि भारत जोड़ो यात्रा ने 'असली' राहुल गांधी को सामने लाई है और कांग्रेस सांसद की छवि को पूरी तरह से बदल दिया है। महाराष्ट्र के वाशिम में एक संवाददाता सम्मेलन में पूछे गए सवाल के जवाब में जयराम रमेश ने कहा कि गांधी के अगुवाई में पूरे देश में की जा रही यात्रा का किसी भी राज्य के चुनाव से कोई संबंध नहीं है। अगर इसके प्रभाव का आकलन करना है तो यह 2024 के लोकसभा चुनाव में ही किया जा सकता है। बता दें कि कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा 69वें दिन वाशिम पहुंची है। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि राहुल गांधी डेटॉल या फेविकोल ब्रांड नहीं हैं कि उन्हें फिर से रीब्रांडेड करना पड़े।

उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा से पहले भाजपा ने उनकी खास छवि बना दी थी, खासकर सोशल मीडिया पर। भारत जोड़ो यात्रा नए राहुल गांधी को नहीं, असली राहुल गांधी को दिखा रही है। पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा से उनकी छवि में पूरी तरह से बदलाव आया है। आज मीडिया या सोशल मीडिया में राहुल गांधी वैसे नहीं हैं जो 70 दिन पहले थे। उन्होंने कहा कि 3,570 किलोमीटर लंबी यात्रा का फायदा यह है कि राहुल गांधी बिना किसी बिचौलिए के, लोगों के साथ सीधे संपर्क में हैं। इसका नतीजा यह है कि असली राहुल गांधी सबके सामने हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि 70 दिनों में एक चीज साफ रूप से दिखाई दी है कि हम किस तरह से एकजुट हुए हैं और किस तरह से हमने समय पर यात्रा शुरू की है। यात्रा का प्रभाव पार्टी पर निर्भर करेगा ना कि राहुल गांधी पर। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में अब तक जहां-जहां यात्रा पहुंची है वहां सेवा दल के कार्यकर्ता घर-घर जाकर पर्चे बांट कर पार्टी का संदेश दे रहे हैं। मालूम हो कि कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा 7 सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई थी और अब तक 6 राज्यों के 28

जिलों से गुजर चुकी है। इसने 7 नवंबर को महाराष्ट्र के देगलुर में प्रवेश किया था और अब तक राज्य के नांदेड़ और हिंगोली जिलों से गुजर चुकी है।

देशवासियों के लिए अपमानजनक बातें न करें सार्वजनिक पद पर आसीन लोग : सुप्रीम कोर्ट

-न्यायमूर्ति एसए नजीर की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने सुरक्षित रखा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सार्वजनिक पदों पर आसीन लोगों को ऐसी बेतुकी बातों से बचना चाहिए जो अन्य देशवासियों के लिए अपमानजनक हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस तरह के व्यवहार को रोकने के लिए कोई तंत्र नहीं होने के कारण सार्वजनिक पद पर आसीन लोग अक्सर अपमानजनक टिप्पणियां करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह दृष्टिकोण हमारी संवैधानिक संस्कृति का हिस्सा है और इस संबंध में आचार संहिता बनाने की कोई जरूरत नहीं है। इसके साथ ही न्यायमूर्ति एसए नजीर की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने इस संबंध में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया कि क्या किसी जनप्रतिनिधि के भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है?

पीठ ने कहा कि किसी को प्रभावित करने वाले जनप्रतिनिधियों के भाषण के संबंध में नागरिकों के लिए हमेशा एक सिविल उपचार उपलब्ध होता है। पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 19(2) में चाहे जो भी कहा गया हो, देश में एक संवैधानिक संस्कृति है, जिसमें जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों के बयानों पर अंतर्निहित सीमा या प्रतिबंध है।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से सहमति व्यक्त की लेकिन आग्रह किया कि अदालत को इस मामले पर संसद को फैसला लेने देना चाहिए। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को बताया कि शीर्ष अदालत ने इस मुद्दे पर तहसीन पूनावाला और अमीश देवगन द्वारा दायर याचिकाओं पर दो फैसले दिए हैं और उन फैसलों के आलोक में मामले की सुनवाई करने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि मामले में उठाए गए सवाल अमूर्त हैं और उन मुद्दों पर आदेश पारित करना समस्याजनक होगा।

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने कहा यह अंतर्निहित है और इस अदालत को इस संबंध में आचार संहिता तैयार करने की कोई जरूरत नहीं है। कोई भी व्यक्ति जो सार्वजनिक पद पर है या लोक सेवक है एक अलिखित नियम है और यह संवैधानिक संस्कृति का हिस्सा है कि वे आत्म-प्रतिबंध का पालन करेंगे हैं और ऐसी बातें नहीं करेंगे हमारे अन्य देशवासियों के लिए अपमानजनक हों।

जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा यह स्वाभाविक है कि सार्वजनिक पद पर आसीन व्यक्ति को संयम बनाए रखना चाहिए। यह एक अलिखित नियम है और संविधान की संस्कृति का हिस्सा है और उन्हें ऐसी बात नहीं करनी चाहिए जो अपमानजनक हो और लोगों के एक वर्ग को प्रभावित करती हो।

मिजोरम में पत्थर की खदान धंसने की घटना में अब तक 10 शव बरामद, पीएम मोदी ने जताया शोक

-पीएम मोदी ने की मृतकों के परिजनों को दो लाख और घायलों को 50 हजार रुपए देने की घोषणा

आइजोल (एजेंसी)। दक्षिण मिजोरम के हनहथियाल जिले में सोमवार को ढही पत्थर की एक खदान के मलबे से दो और शव बरामद किए गए हैं। इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। तलाशी अभियान अभी भी जारी है। इस घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। पीएम मोदी ने कहा कि मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं, जिन्होंने मिजोरम पत्थर खदान ढहने के हादसे मे अपने प्रियजनों को खोया है। मृतकों के परिजनों को दो लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए की राशि दी जाएगी। उन्होंने बताया कि मृतकों में पश्चिम बंगाल के पांच, झारखंड और असम के दो-दो तथा मिजोरम के लुंगलेई जिले का एक श्रमिक शामिल है। हनथियाल कस्बे से करीब 23 किलोमीटर दूर मौदढ़ गांव में सोमवार को पत्थर की खदान धंसने से वहां काम कर रहे एक दर्जन से अधिक लोग लापता हो गए थे। हनहथियाल के जिला उपायुक्त आर लालरेमसंगा ने कहा कि मंगलवार रात सघन तलाशी अभियान के बाद मलबे से दो और शव बरामद किए गए हैं। इसके साथ ही पत्थर की खदान के मलबे में दबे कुल 12 लोगों में से 10 का पता लगा लिया गया है। उन्होंने बताया कि दो श्रमिक अब भी लापता हैं और उनकी तलाश जारी है। ये श्रमिक मिजोरम और असम के रहने वाले हैं। हनहथियाल के पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार ने कहा कि पत्थर की खदान में जब भूस्खलन हुआ, तब वहां कुल 13 श्रमिक काम कर रहे थे। हालांकि, इनमें से एक बाहर निकलने में सफल हो गया, जबकि 12 अन्य मलबे में फंस गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने दावा किया कि श्रमिकों ने बहुत गहरी खुदाई कर दी थी, जिससे पत्थर की खदान ढह गई। लालरेमसंगा ने बताया कि हादसे में खुदाई करने वाली पांच मशीनें, एक स्टोन क्रशर और एक ड्रिलिंग मशीन भी पूरी तरह से मलबे में दब गए। उन्होंने कहा कि भूस्खलन से प्रभावित क्षेत्र लगभग 5,000 वर्ग मीटर है।

20 दिन बाद राजस्थान पहुंचेगी भारत जोड़ो यात्रा, वाइल्ड लाइफ एक्ट की वजह से बदलना पड़ सकता है मार्ग

नई दिल्ली (एजेंसी)। जयपुर (ईएमएस)। राजस्थान में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के मार्ग में बदलाव हो सकता है। पार्टी के स्तर पर इसके पीछे कारण बताया जा रहा है वाइल्ड लाइफ एक्ट-1972 के नियम। राजनीति के जानकार इसे राजस्थान में चल रही अशोक गहलोत बनाम सचिन पायलट की लड़ाई से जोड़कर देख रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा करीब 20 दिन बाद राजस्थान में प्रवेश करने वाली है। अभी तक राजस्थान में इस यात्रा का रूट फाइनल नहीं हो पाया है। अब इसका फैसला वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता में बनी कमेटी करेगी।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान में झालावाड़ जिले से प्रवेश करेगी। इसके बाद वह कोटा, बूंदी और सवाईमाधोपुर होते हुए अलवर पहुंचेगी। अलवर जिले से वह हरियाणा के झिरका और फिर फिरोजपुर में प्रवेश कर जाएगी। बताया जाता है कि राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा में वाइल्ड लाइफ के नियम बाधा बन रहे हैं। इन नियमों के तहत वाइल्ड लाइफ क्षेत्र में एक साथ बड़ी संख्या में पैदल यात्री नहीं निकल सकते। इसके साथ ही क्षेत्र में तेज आवाज में लाउड स्पीकर नहीं बजाए जा सकते। भारत जोड़ो यात्रा के मार्ग में तीन टाइगर रिजर्व आ रहे हैं। कोटा संभाग के झालावाड़ जिले में यात्रा जिस रास्ते से गुजरेगी उसका कुछ भाग मुकंदरा टाइगर हिल्स रिजर्व में शामिल है। वहीं बूंदी जिले में जिस रूट से यात्रा का गुजरना प्रस्तावित है उस पर रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व का क्षेत्र आता है। वहीं सवाईमाधोपुर जिले से भी भारत जोड़ो यात्रा का निकलना प्रस्तावित है। उसका अधिकांश क्षेत्र रणथम्भौर टाइगर रिजर्व में आ रहा है। ऐसे में इन क्षेत्र से यात्रा का निकल पाना संभव नजर नहीं आ रहा है।

राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा के रूट का सर्वे कर रही मंत्रियों की टीम में शामिल राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने बताया कि यह एक्ट गांधी परिवार के समय ही बना था। वहीं राहुल गांधी के भी साफ निर्देश है कि यात्रा की वजह से किसी भी तरह से वाइल्ड लाइफ को परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि हमने इसकी पूरी जानकारी भारत जोड़ो यात्रा कमेटी को दे दी है। अब अंतिम फैसला वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता में बनी कमेटी को करना है।

जलवायु परिवर्तन को लेकर कार्रवाई किसी क्षेत्र, ईंधन स्रोत, गैस स्रोत तक सीमित न हो : भूपेन्द्र यादव

नई दिल्ली(एजेंसी)। वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने मिस्र में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में कहा कि जलवायु परिवर्तन को लेकर कार्रवाई किसी भी क्षेत्र, ईंधन स्रोत और गैस स्रोत तक सीमित नहीं की जा सकती तथा सभी देशों को अपनी-अपनी राष्ट्रीय परिस्थिति के अनुसार कार्रवाई करनी चाहिए। भारत ने शनिवार को प्रस्ताव किया था कि वार्ता में भी जीवाश्म ईंधन कम करने का निर्णय किया जाए। इस आह्वान का मंगलवार को यूरोपीय संघ ने समर्थन किया।

ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, भारत और चीन के 'बेसिक ग्रुप' (बीएएसआईसी ग्रुप) के मंत्रियों की मंगलवार को मिस्र के शर्म-अल-शेख में आयोजित जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र प्रारूप सम्मेलन की 27वीं पक्षकार संगोष्ठी (कॉप-27) में केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव हिस्सा ले रहे हैं। यादव ने कहा, ''कॉप-27 में, हमें अपने साथी विकसित देशों को एक बार फिर राजी करना चाहिये कि कार्रवाई महत्वपूर्ण होती है, वादे नहीं। हर कॉप बैठक में संकल्प पर संकल्प किये जाते हैं, जो जरूरी नहीं कि फायदेमंद हों।'' उन्होंने कहा कि ऐसी कार्रवाई के जरिये ही विकास को मापना चाहिये, जो उत्सर्जन में सीधी कमी की तरफ ले जाये और विकसित देशों को चाहिये कि वह दुनिया को ऐसा करके दिखायें।

पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री ने कहा, ''जलवायु परिवर्तन को लेकर कार्रवाई किसी भी क्षेत्र, किसी भी ईंधन स्रोत और किसी भी गैस स्रोत तक सीमित नहीं की जा सकती तथा सभी देश अपनी-अपनी राष्ट्रीय परिस्थिति के अनुसार कार्रवाई करें।'' उन्होंने कहा कि इस संबंध में अपनी जिम्मेदारियों का पालन करने के लिहाज से जलवायु कार्रवाई के लिये भारत दो मुद्दों..मानवता और जलवायु न्याय पर अपनी स्थिति फिर से स्पष्ट करना चाहता है। उन्होंने कहा कि भारत मानता है कि सभी देशों का वैश्विक कार्बन बजट में अपने-अपने हिस्से पर अधिकार है तथा सभी को अपनी-अपनी समग्र उत्सर्जन सीमा में ही रहना चाहिये।

भूपेन्द्र यादव ने कहा कि अपने मौजूदा लक्ष्य को समय के काफी पहले शून्य उत्सर्जन तक पहुंचा देने वाले विकसित देशों को शेष कार्बन बजट तक विकासशील देशों को पहुंच देनी चाहिये। उन्होंने कहा कि यह काम गहन ऋणात्मक उत्सर्जन तथा विकसित देशों के कार्बन ऋण को निधि में परिवर्तित करके किया जा सकता है।

केंद्रीय मंत्री ने इस दिशा में न्यायपूर्ण परिवर्तन पर जोर दिया और कहा किभारत के लिये न्यायपूर्ण परिवर्तन का मतलब, धीरे-धीरे कम-कार्बन विकास रणनीति तक पहुंचना है ताकि खाद्य व ऊर्जा सुरक्षा, विकास व रोजगार सुनिश्चित हो तथा इस प्रक्रिया में कोई भी पीछे न रह जाये। उन्होंने कहा, ''हमारी नजर में विकसित देशों के साथ कोई भी साझेदारी इस नजरिये पर ही आधारित होनी चाहिये।

ब्रह्मपुत्र के पानी को शिनजियांग तक ले जाने के लिए चीन बना रहा एक हजार किमी लंबी सुरंग

नई दिल्ली। चीन इस समय निर्माणकार्यों पर विशेष रूप से जोर दे रहा है। चीन एक ऐसी सुरंग का निर्माण करने जा रहा है, जिससे पूरी दुनिया की चिंता बढ़ गई है। यह सुरंग अपने आप में अनोखी होगी। चीन दुनिया का पहला ऐसा देश है जो एक हजार किलोमीटर लंबी सुरंग बनाने जा रहा है। इस सुरंग को लेकर सभी देश चिंता में पड़ गए हैं। ब्रह्मपुत्र और सिंधु दोनों विशाल नदियां तिब?बत से शुरू होती हैं। सिंधु नदी पश्चिमोत्तर भारत से होकर पाकिस्तान के रास्ते अरब सागर में गिरती है। वहीं ब्रह्मपुत्र नदी पूर्वोत्तर भारत के रास्ते बांग्लादेश में जाती है। ये दोनों ही नदियां दुनिया की सबसे विशाल नदियों में शामिल हैं। चीन कई साल से ब्रह्मपुत्र नदी की दिशा को बदलने में लगा हुआ है। चीन ब्रह्मपुत्र नदी को यारलुंग जांगबो कहता है, जो भूटान, अरुणाचल प्रदेश से होकर बहती है। ब्रह्मपुत्र और सिंधु दोनों ही नदियां चीन के शिंजियांग इलाके से निकलती हैं। सिंधु नदी लद्दाख के रास्ते पाकिस्तान में जाती है। चीन ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को एक हजार किलोमीटर लंबी सुरंग बनाकर तिब्बत के पठार से ले जाते हुए तकलमकान तक ले जाना चाहता है। तकलमकान दक्षिण-पश्चिम शिंजियांग का रेगिस्तानी इलाका है। बताया जा रहा है कि यून्नान सुरंग का निर्माण अगस्त 2017 में शुरू हुआ था। इस परियोजना पर 11.7 अरब डॉलर का खर्च आएगा। चीन शिंजियांग को अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य की तर्ज पर विकसित करना चाहता है। इसके लिए चीन नदियों के बहाव को तिब्बत से मोड़कर शिंजियांग की ओर करना चाहता है। इसके लिए चीन एक हजार किलोमीटर की सुरंग के जरिए शिजियांग में विशाल झरना बनाना चाहता है। चीन का मकसद अपने पूर्वी क्षेत्र के विकास के बाद अब पश्चिमी इलाके में विकास को बढ़ावा देना है। ये ऐसा इलाका है जो अभी भी काफी

यूके-इंडिया यंग प्रोफेशनल्स स्कीम के तहत हर साल 3,000 युवाओं को ब्रिटेन देगा दो साल का वीजा

-पीएम मोदी और ऋषि सुनक के बीच मुलाकात में बनी सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। । यूके और भारत साल 2023 में यंग प्रोफेशनल्स एक्सचेंज कार्यक्रम लॉन्च करेंगे और इसके तहत हर साल 3000 भारतीय युवाओं को ब्रिटेन में काम करने लिए वीजा दिया जाएगा । ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने बुधवार को भारत के युवा पेशेवरों को हर साल ब्रिटेन में काम करने के लिए 3,000 वीजा देने पर सहमति जताई है। यूके सरकार ने कहा कि भारत इस तरह की योजना से लाभान्वित होने वाला पहला देश है। बता दें कि पीएम मोदी और ऋषि सुनक के बीच मुलाकात के कुछ घंटों बाद ही यह फैसला आया है।

यूके के प्रधानमंत्री कार्यालय डाउनिंग स्ट्रीट ने अपने एक ट्वीट में कहा कि आज यूके-इंडिया यंग प्रोफेशनल्स स्कीम की पुष्टि की गई, जिसमें 18-30 वर्षीय 3,000 डिग्रीधारी शिक्षित भारतीय नागरिकों को यूके में आकर रहने और दो साल तक काम करने के लिए वीजा देने की पेशकश की गई। बता दें कि यूके-इंडिया यंग प्रोफेशनल्स स्कीम के तहत ब्रिटेन हर साल 18-30 वर्ष आयु वर्ग के 3000 युवा प्रोफेशनल्स यानी डिग्री धारक भारतीयों को ब्रिटेन में दो साल तक काम करने की पेशकश करेगा। यह योजना अगले साल 2023 की शुरुआत में शुरू होगी और पारस्परिक आधार पर होगी।

डाउनिंग स्ट्रीट की यह घोषणा ऐसे वक्त में सामने आई है, जब मंगलवार को इंडोनेशिया के बाली में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऋषि सुनक के बीच मुलाकात हुई थी। इस मुलाकात के कुछ घंटों बाद ही यूके ने भारतीय युवाओं को वीजा देने के फैसले को हरी झंडी दिखा दी। पिछले महीने भारतीय मूल के पहले ब्रिटिश पीएम के पद संभालने के बाद यह उन दोनों की पहली बैठक थी।

ऋषि सुनक ने कहा कि मैं प्रत्यक्ष रूप से भारत के साथ गहरे सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों के अविश्वसनीय मूल्य को जानता हूं। उन्होंने कहा मुझे खुशी है कि भारत के और अधिक प्रतिभावान युवाओं को अब यूके में जीवन का वह सब कुछ अनुभव करने का अवसर मिलेगा, जो हमारी अर्थव्यवस्थाओं और समाजों को समृद्ध बनाता है। बता दें कि सुनक ने प्रधानमंत्री बनने के अपने अभियान के दौरान भारत के साथ यंग प्रोफेशनल्स के पारस्परिक आदान-प्रदान करने के बारे में बात की थी। यूके के पीएम ऋषि सुनक के कार्यालय डाउनिंग स्ट्रीट के एक प्रेस नोट में कहा गया, 'इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के लगभग किसी भी देश की तुलना में यूके का भारत के साथ अधिक गहरा संबंध है। यूके में तकरीबन एक चौथाई अंतरराष्ट्रीय छात्र भारत के हैं और भारतीय निवेश से यूके में 95 हजार रोजगार का सृजन होता है। यूके सरकार ने कार्यक्रम के लॉन्च को यूके-भारत संबंध के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण बताया। इस बीच ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि पूरा ध्यान एक संतुलित व्यापार समझौते पर है जो दोनों पक्षों के लिए लाभदायक हो, इसलिए इसकी कोई समयसीमा नहीं बताई गई है। एक प्रवक्ता ने कहा कि दोनों पक्ष इसे लेकर प्रतिबद्ध हैं, अंतरराष्ट्रीय व्यापार विभाग के नेतृत्व में गहन बातचीत चल रही है।

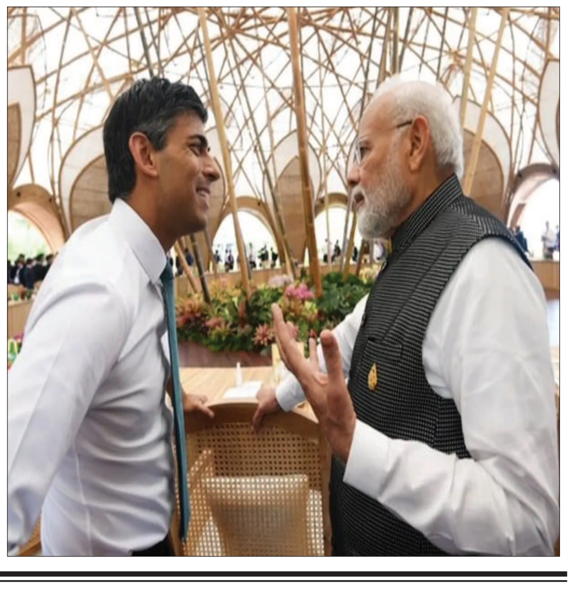

चीन ने कोरोना लॉकडाउन में क्रूरता की सारी हदें पार कीं

– गुआंगझाऊ में भड़की जनता ने किया विद्रोह, वीडियो वायरल

बीजिंग । दुनिया में जब कोरोना लॉकडाउन को लगभग पूरी तरह से हटा लिया है, वहीं चीन में जीरो कोविड नीति के नाम पर इसे क्रूरतापूर्वक लागू किया जा रहा है। चीन के बेहद अहम दक्षिणी शहर गुआंगझाउ में रहने वाले लोग इस क्रूरता के खिलाफ भड़क उठे और विद्रोह कर दिया। चीनी जनता ने खुद को घरों ही 'कैद' करने के लिए बनाए गए बैरियर को तोड़ दिया। यही नहीं वे सड़क पर आ गए और शी जिनपिंग के कोरोना नियमों को खारिज कर दिया। इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया में जमकर शेयर किया जा रहा है। इन वीडियो में भारी भीड़ नजर आ रही है जो इस आजादी का जश्न मना रही है। उन्होंने शाम को अंधेरा होने के बाद बैरियर को तोड़ दिया। इस इलाके में पिछले 5 नवंबर से ही बेहद सख्त कोरोना लॉकडाउन लगा हुआ है। शहर के मुख्य इलाके में कोरोना के कई मामले सामने आए हैं। एक वीडियो में तो कोरोना वर्कर हजामत सूट पहनकर बगल में खड़े हैं और बैरियर टूट चुका है। वे स्थानीय लोगों को समझाने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें सुना जा सकता है कि एक महिला कह रही है, वे विद्रोह कर रहे हैं। यह वीडियो हैझू जिले का बताया जा रहा है। यह अभी तक स-?पष?ट नहीं हो सका है कि कितने लोग इस विरोध प्रदर्शन में शामिल थे और यह कितनी देर तक चला था। बाद में इस घटना के वीडियो को तेजी से चीन के सोशल मीडिया से हटा दिया गया। कम्युनिस्ट चीन में जनता का विरोध प्रदर्शन बहुत ही दुर्लभ घटना मानी जाती है। इसकी वजह यह है कि चीनी अधिकारी विद्रोह करने वालों या विरोध में आवाज उठाने वालों को कुचल देते हैं। माना जा रहा है कि यह विरोध प्रदर्शन शी जिनपिंग की विवादित जीरो कोविड नीति के खिलाफ भड़क रहे जनता के गुस्से का प्रतीक है। गुआंझाऊ में मंगलवार को कोरोना के 5100 मामले सामने आए थे। इस बीच चीन की जीरो कोविड नीति के तहत परिसर में बंद विश्वविद्यालय के छात्र समूह खुद में रेंगने और कार्डबोर्ड से पालतू जानवर बनाने जैसे अजीब शौक विकसित कर रहे हैं। टिप्पणीकारों और समाचार रिपोर्टों के अनुसार छात्र समूह की हरकतें देखकर उनके मानसिक स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताई जा रही है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानाकरी दी गई। आरएफए ने बताया कि हाल के दिनों में सोशल मीडिया साइटों पर अपलोड किए गए वीडियो क्लिप में युवाओं के एक समूह को कॉलेज के खेल मैदान पर एक सर्कल में एक-दूसरे के बाद रेंगते हुए देखा गया है। इसने दर्शकों को यह अनुमान लगाने के लिए प्रेरित किया कि यह कैंपस में महीनों तक लॉकडाउन चलने की प्रतिक्रिया थी। चीन की कम्युनिकेशंस यूनिवर्सिटी के अधिकारियों ने कहा कि वे इस गतिविधि को देख रहे हैं। आरएफए के मुताबिक, सोशल मीडिया यूजर्स ने बीजिंग स्थित सिंघुआ यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस एंड इकोनॉमिक्स सहित अन्य विश्वविद्यालयों में चल रही इसी तरह की गतिविधियों के वीडियो क्लिप शूट किए। सोशल मीडिया पर अपुष्ट खबरें भी प्रसारित हो रही थीं, जिनमें कहा गया था कि ईस्ट चाइना नॉर्मल यूनिवर्सिटी के अधिकारियों ने परिसर में अकेले रेंगते हुए एक छात्र की तस्वीरें लीं और उन्हें ऐसा करने से रोकने के लिए कुछ सुरक्षा गार्डों को खेल मैदान में भेजा।

पाकिस्तान-अफगान सीमा चौकी गोलीबारी की घटना के बाद तीसरे दिन भी बंद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच एक अहम सीमा चौकी गोलीबारी की घटना के बाद लगातार तीसरे दिन मंगलवार को भी बंद रही। इस गोलीबारी में पाकिस्तान अर्द्धसैन्य बल के एक कर्मी की मौत हो गयी। घटना के बाद से ही यहां के जरिये दोनों देशों के बीच व्यापार रुक गया। बलूचिस्तान में चमन सीमा रविवार को उस समय बंद कर दी गयी थी जब अफगानिस्तान की ओर से एक सशस्त्र व्यक्ति ने बाब-ए-दोस्ती के समीप पाकिस्तानी सुरक्षा कर्मियों पर गोलियां चलायी जिसमें अर्द्धसैन्य बल फ्रंटियर कोर (एफसी) के एक जवान की मौत हो गयी। गोलीबारी में दो अन्य जवानों को चोटें आयी हैं। पाकिस्तानी प्राधिकारियों ने इस घटना के बाद अफगानिस्तान के साथ व्यापार रोक दिया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, ''सीमा पर लगातार तीसरे दिन द्विपक्षीय व्यापार और आव्रजन प्रणाली रोक दी गयी है तथा पैदल आने-जाने वाले लोग के लिए रास्ता बंद कर दिया गया है।'' चमन दोनों देशों के बीच व्यापार के लिए सबसे महत्वपूर्ण सीमा चौकी है। ऐसा बताया जा रहा है कि गोलीबारी के लिए जिम्मेदार आतंकवादी खुद को तालिबानी अधिकारी बता रहा था। उसकी तलाश चल रही है। अफगानिस्तान के स्पिन बोल्दाक जिले की सीमा से लगते चमन शहर के उपायुक्त अब्दुल हमीद जेहरी ने मीडिया को बताया कि अफगानिस्तान में पाकिस्तानियों को उनकी पहचान की पुष्टि करने के बाद देश में प्रवेश करने दिया जा रहा है। उपायुक्त ने कहा, ''पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर समस्याओं पर चर्चा करने के लिए उच्च स्तरीय वार्ता की जा रही है और दोनों पक्षों के बीच मंगलवार को बैठक होने की उम्मीद है।''उन्होंने बताया कि जब तक इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिए जिम्मेदार शख्स को पाकिस्तानी प्राधिकारियों को नहीं सौंपा जाता है तब तक सीमा बंद रहेगी। उपायुक्त ने यह भी कहा कि जिला अस्पताल के साथ ही सीमा के समीप इलाकों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। अधिकारियों ने बताया कि सामान से भरे सैकड़ों ट्रक सीमा के दोनों ओर फंसे हैं। अधिकारियों ने अभी यह नहीं बताया कि चमन में सीमा चौकी फिर से कब खुलेगी।

एक करोड़ 77 लाख में नीलाम हुई एप्पल के को-फाउंडर स्टीव जॉब्स की सैंडिल

लास एंजेल्स । कैलिफोर्निया का वह घर जहां स्टीव जॉब्स ने अपने दोस्त के साथ मिलकर एप्पल कंपनी की स्थापना की थी, वह अब एक ऐतिहासिक स्थल है। एक नीलामी घर के मुताबिक यहां रहने के दौरान जॉब्स ने जो सैंडल पहने थे, वे लगभग 220,000 डॉलर (17719509.28 रुपये) में बेचे गए हैं। नीलामी घर जूलियन्स ऑक्शन ने बताया कि 1970 के दशक के मध्य में बहुत अच्छी तरह से इस्तेमाल किए गए ब्राउन कलर के इस सैंडल को स्टीव जॉब्स काफी लंबे समय तक पहनते रहे थे। इस सैंडल ने एक जोड़ी सैंडल के लिए अब तक की सबसे अधिक कीमत का रिकॉर्ड बनाया है। नीलामी घर ने अपनी वेबसाइट पर लिस्टिंग में कहा कि कॉर्क और जूट के फुटबेड पर स्टीव जॉब्स के पैरों की छाप इतने साल बाद भी बरकरार है। जो इस सैंडल के कई साल लगातार पहनने के बाद बन गए थे। जूलियन ऑक्शन ने कहा कि उसे सैंडल के 60,000 डॉलर में बिकने की उम्मीद थी। लेकिन एनएफटी के साथ अंतिम बिक्री मूल्य 218,750 डॉलर था। बहरहाल जूलियन ऑक्शन ने एप्पल के को-फाउंडर की इस ऐतिहासिक सैंडल को खरीदने वाले शख्स के नाम का खुलासा नहीं किया है। स्टीव जॉब्स और स्टीव वोज्नियाक ने 1976 में कैलिफ़ोर्निया के लॉस अल्टोस में जॉब्स के माता-पिता के घर में एप्पल की सह-स्थापना की थी। 2013 में लॉस अल्टोस हिस्टोरिकल कमीशन द्वारा इस घर को एक ऐतिहासिक मील के पत्थर के तौर पर नामित किया गया था। गौरतलब है कि 2011 में अग्नाशय के कैंसर के कारण स्टीव जॉब्स का निधन हो गया। जॉब्स को भारत के अध्यात्म से बेहद लगाव था और वे भारत के दर्शन से भी काफी गहराई से प्रभावित थे। स्टीव जॉब्स नीम करौली बाबा के भक्त थे।

सेक्स चेंज कराकर कोरियन महिला बना युवक बोला- बड़ी गलती हो गई

लंदन । एक शख्स ने कोरियाई महिला की तरह दिखने के लिए 30 कॉस्मेटिक सर्जरी करवाई। सर्जरी पर उसने पिछले 8 सालों में 2 करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर डाले। हालांकि, अब उसका मन बदल गया है। उसने घोषणा की है कि वह फिर से पुरुष बनना चाहता है। शख्स ने कहा कि 'ट्रांसरेशियल' के रूप में पहचान बनाने के लिए मैंने जो किया वह एक बड़ी गलती थी। 'ट्रांसरेशियल' शख्स खुद को अपनी नस्ल से जोड़कर नहीं देखता। वह खुद को एक अलग नस्ल का मानता है। ब्रिटेन में जन्मे 32 साल के ओली लंदन भी इसी सोच के थे। ओली सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर और टीवी पर्सनलिटी हैं। यूं तो ओली ब्रिटिश हैं, मगर वह खुद को कोरियन बनाने पर तुले थे। इसके लिए ओली ने 30 कॉस्मेटिक सर्जरी करवाई और खुद को कोरियाई महिला के रूप में परिवर्तित कर लिया। ओली 'ट्रांसरेशियल' के रूप में अपनी पहचान बनाने के साथ ही कोरियाई पॉप-स्टार पार्क जी मिन की तरह दिखना चाहते थे। ऐसे में उन्होंने अपनी सर्जरी करवानी शुरू कर दी और उस पर 2 करोड़ 18 लाख से अधिक रुपये खर्च कर दिए। उनके इस कदम पर विवाद भी हुआ। हालांकि, दर्जनों सर्जरी करवाने के बाद अब ओली का मन बदल गया है। उन्होंने कहा कि मैं 'ट्रांसरेशियल' नहीं हूं और एक पुरुष के रूप में रहना शुरू कर रहा हूं। 'ट्रांसरेशियल' के रूप में पहचान बनाना मेरी बड़ी गलती थी। मैं सिर्फ पुरुष बनना चाहता हूं।

इस्तांबुल में रविवार को हुए धमाके में मारे गये लोगों की याद में पुष्प अर्पित करते हुए लोग।

रूस ने यूक्रेन के कई शहरों में हवाई हमले किए

कीव। रूस ने यूक्रेन के पूर्व से लेकर पश्चिम सीमा इलाके तक मंगलवार को ऊर्जा तथा अन्य प्रतिष्ठानों पर हवाई हमले किए जिससे बड़े पैमाने पर बत्ती गुल हो गयी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने आगाह किया कि स्थिति ''गंभीर'' है तथा उन्होंने यूक्रेनी नागरिकों से ''कठिन परिस्थितियों में मजबूत बने रहने'' का आग्रह किया। इन हवाई हमलों में राजधानी कीव में एक रिहायशी इमारत में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गयी। ये हमले ऐसे वक्त में किए गए हैं जब यूक्रेन ने गत सप्ताह दक्षिणी शहर खेरसॉन पर फिर से कब्जा जमाने में कामयाबी हासिल की। कम से कम 12 क्षेत्रों में हमले हुए। यूक्रेनी वायु सेना के एक प्रवक्ता ने बताया कि रूस ने करीब 100 मिसाइलें दागी। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने यह संख्या 85 बतायी। जेलेंस्की ने आगाह किया कि और हमले हो सकते हैं लेकिन उन्होंने कहा, ''हम हर चीज से उबर जाएंगे।'' अधिकारियों ने जिन इलाकों में हमले होने की जानकारी दी है उनमें पश्चिम में लीव, झितोमिर, खमेलनीत्स्की और राइन तथा उत्तरपूर्वी में यूक्रेन का दूसरा सबसे बड़ा शहर खारकीव शामिल है। जेलेंस्की के पैतृक शहर क्रीवी रीह में भी हमले हुए।

इंडोनेशिया ने भारत को सौंपी जी-20 की अध्यक्षता, पीएम मोदी बोले हमारी ओर आशा से देख रही है दुनिया

बाली (एजेंसी)। इंडोनेशिया के बाली में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता अब भारत को मिल गई है। शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन बुधवार को इंडोनेशिया ने जी-20 की अध्यक्षता भारत को सौंप दी। जी-20 शिखर सम्मेलन के समापन सत्र को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया और कहा कि दुनिया को जी20 से काफी उम्मीदे हैं और वैश्विक विकास महिलाओं की भागीदारी के बिना संभव नहीं है।

बाली के इंडोनेशिया में 1 दिसंबर से भारत को मिल रही जी20 की अध्यक्षता को लेकर पीएम मोदी ने कहा कि भारत जी-20 का जिम्मा ऐसे समय ले रहा है, जब विश्व जियो पॉलिटिकल तनावों, आर्थिक मंदी और ऊर्जा की बढ़ी हुई कीमतों और महामारी के दुष्प्रभावों से एक साथ जूझ रहा है। ऐसे समय विश्व जी-20 के तरफ आशा की नज़र से देख रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत अपनी जी-20 अध्यक्षता के दौरान इंडोनेशिया के सराहनीय इनिशिएटिव यानी पहल को आगे बढ़ाने का भरसक प्रयत्न करेगा। भारत के लिए यह अत्यंत सुखद संयोग है कि हम जी-20 अध्यक्षता का दायित्व इस पवित्र द्वीप, बाली में ग्रहण कर रहे हैं। भारत और बाली का बहुत ही प्राचीन रिश्ता है। आज आवश्यकता है कि विकास के लाभ सर्वस्पर्शी और समावेशी हों। हमें विकास के लाभों को ममभाव और समभाव से मानव मात्र तक पहुंचाना होगा। वैश्विक विकास महिलाओं की भागीदारी के बिना संभव नहीं है।

पीएम मोदी ने कहा कि मैं आश्वासन देना चाहता हूं कि भारत की जी-20 अध्यक्षता समावेशी, महत्वाकांक्षी, निर्णायक और क्रिया-उन्मुख होगी। हमारा प्रयत्न रहेगा की जी-20 नए विचारों की परिकल्पना और सामूहिक एक्शन को गति देने के लिए एक ग्लोबल प्राइम मूवर की तरह काम करेगा। उन्होंने आगे कहा कि हमें अपने जी-20 एजेंडा में महिलाओं के नेतृत्व में विकास को प्राथमिकता देनी होगी। मैं एक बार फिर अपने मित्र राष्ट्रपति जोकोवी का अभिनन्दन करना चाहता हूं। उन्होंने इस कठिन समय मे जी-20 को कुशल नेतृत्व दिया है और मैं आज जी-20 समुदाय को बाली डिक्लेरेशन के अनुमोदन के लिए भी बधाई देता हूं। भारत अपनी जी-20 अध्यक्षता के दौरान इंडोनेशिया की सराहनीय पहलों को आगे बढ़ाने का प्रयत्न करेगा। भारत के लिए यह अत्यंत शुभ संयोग है कि हम जी-20 अध्यक्षता का दायित्व इस पवित्र द्वीप बाली मे ग्रहण कर रहे हैं। भारत और बाली का बहुत ही प्राचीन रिश्ता है। भारत जी-20 का जिम्मा ऐसे समय ले रहा है जब विश्व भू राजनीतिक तनावों, आर्थिक मंदी, खाद्यान्न और ऊर्जा की बढ़ी हुई कीमतों, और महामारी के दीर्घकालीन दुष्प्रभावों से एक साथ जूझ रहा है। ऐसे समय, विश्व जी-20 की तरफ आशा की नजर से देख रहा है। आज मैं यह आश्वासन देना चाहता हूं कि भारत की जी-20 अध्यक्षता इन्क्लूसिव, एंबीशस, डिसीसिव, और एक्शन ओरिएंटेड होगी।

पोलैंड पर हुए मिसाइल हमले का सामने आया सच, रूस ने नहीं बल्कि यूक्रेन की सेना ने किया था हमला

नुसा दुआ (एजेंसी)। प्रारंभिक जांच के अनुसार पोलैंड में गिरी मिसाइल को यूक्रेन की सेना ने रूस द्वारा दागी गई मिसाइल के जवाब में प्रक्षेपित किया था। इस बात का खुलासा अमेरिका के एक अधिकारी द्वारा किया गया हैं। समाचार एजेंसी एपी ने बताया कि प्रारंभिक निष्कर्षों से पता चला है कि पोलैंड में जो मिसाइल गिरी थी वह यूक्रेनी बलों द्वारा एक आने वाली रूसी मिसाइल पर दागी गयी थी। तीन अमेरिकी अधिकारियों ने एपी को बताया कि प्रारंभिक आकलन से संकेत मिलता है कि पोलैंड पर हमला करने वाली मिसाइल को यूक्रेन की सेना ने रूसी मिसाइल पर दागा था। पोलैंड के अधिकारियों ने बताया कि यूक्रेन की सीमा से लगभग 6 किलोमीटर (3-1/2 मील) दूर पूर्वी पोलैंड के एक गांव प्रेज़वोडो में एक विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई। पूर्वी पोलैंड में हुए एक घातक विस्फोट के बाद बाइडेन ने इंडोनेशिया के बाली में जी20 बैठक के लिए एकत्रित हुए वैश्विक नेताओं के साथ आपातकालीन बैठक बुलाई। इससे पहले एक वरिष्ठ अमेरिकी खुफिया अधिकारी ने एपी को बताया कि रूसी मिसाइलें पोलैंड में घुस गईं। राष्ट्रपति जो बाइडेन, जो त्र20 शिखर सम्मेलन के लिए बाली, इंडोनेशिया में हैं, ने बुधवार को कहा कि पोलैंड- एक नाटो सदस्य देश। पोलैंड में गिरी मिलाइल में कम से कम 2 लोग मारे गए थे। उन्होंने इस बात से इंकार किया था कि रूस ने पोलैंड पर ये मिसाइल छोड़ी हैं। नाटो-सहयोगी पोलैंड ने कहा कि 'रूस-निर्मित' मिसाइल ने यूक्रेन सीमा के पास अपने देश के पूर्वी हिस्से में दो लोगों की जान लेने के बाद परामर्श के लिए इंडोनेशिया में जी 7 और नाटो नेताओं की एक आपातकालीन बैठक बुलाई।राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि वे पोलैंड के क्षेत्र में हुए मिसाइल हमले में 'वास्तव में क्या हुआ' की जांच में उसका समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जानकारी से पता चलता है कि इसे शायद ''रूस से' नहीं दागा गया था - मिसाइल के प्रक्षेपवक्र का हवाला देते हुए।

एलन मस्क ने ट्विटर इंडिया के 90 फीसदी कर्मचारियों को निकाला, अब कहा- एप इंडिया में करता है बहुत स्लो काम

लंदन (एजेंसी)। टेस्ला के सीईओ और दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने जब से ट्विटर की कमान संभाली है तब से वो लगातार अपने नये-नये फैसले के जरिये सुर्खियों में बने हुए हैं। कभी ट्विटर के टॉप ऑफिसिशल्स को निकालने तो कभी ब्लू टिक पेड सर्विस जैसे फैसले ने इस माइक्रो ब्लॉगिंग साइट को लाइमलाइट में ला दिया है। अरबपति एलन मस्क के ट्विटर की कमान संभालते हुए वे बचे हुए कर्मचारियों के साथ दिन-रात काम कर रहे हैं। मस्क का मानना है कि भारत और इंडोनेशिया समेत कई देशों में ट्विटर ऐप काफी स्लो है। ट्विटर बॉस इस मुद्दे को जल्द ठीक करना चाहते हैं। बड़े पैमाने पर छंटनी के दौरान मस्क ने ट्विटर इंडिया के लगभग 90 प्रतिशत कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया।

इस हफ्ते की शुरुआत में मस्क ने दूसरों की तुलना में कुछ क्षेत्रों में ट्विटर ऐप के 'स्लो' होने के लिए उपयोगकर्ताओं से माफी मांगी। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा कि 'मैं कई देशों में ट्विटर के सुपर स्लो होने के लिए माफी मांगना चाहता हूं। ऐप केवल होम टाइमलाइन प्रस्तुत करने के लिए>1000 खराब बैच वाले आरपीसी कर रहा है! मस्क ने कहा कि वह और उनकी टीम प्लेटफॉर्म को गति देने के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन ट्विटर के कुछ कर्मचारियों का मानना है कि मस्क का आकलन गलत है। ऐसा लगता है कि अरबपति आलोचना या सुझाव लेने के मूड में नहीं है और ट्विटर पर मस्क के खिलाफ जाने वाले इंजीनियरों को निकाल दिया गया।

नाटो देश पर मिसाइल हमले से पूरी दुनिया सहम गई, कैसे पोलैंड धीरे-धीरे युद्ध का नया फ्लैशपॉइंट बन गया

वाशिंगटन (एजेंसी)। दुनिया में तीसरे विश्वयुद्ध की आशंका फरवीर 2022 में उस वक्त से शुरू हो गई है जब से रूस ने यूक्रेन पर भीषण हमला शुरू किया है। अब यूक्रेन पर रूस के लगातार मिसाइल हमलों के बीच पश्चिमी देशों के साथ उसका तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। यूक्रेन सीमा के पास हुए इस जोरदार हमले में पोलैंड के दो ग्रामीण मारे गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने जी7 देशों की बाली में आपात बैठक बुलाई और कहा कि प्राथमिक जांच से पता चला है कि ये मिसाइल संभवत-रूस ने नहीं दागी थी।

नाटो सदस्य पोलैंड पर रूसी निर्मित रॉकेट गिरने और दो लोगों के मारे जाने के बाद यूक्रेन संघर्ष के अपने दायरे से इतर फैलने की संभावना तेज हो गई है। हालांकि पोलैंड पर गिरे रॉकेट को लेकर रूस ने अपनी संलिप्तता से इनकार किया है। इंडोनेशिया में ग्रुप ऑफ 20 (जी20) के नेताओं की सभा में व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पूर्वी पोलैंड में विस्फोट और जनहानि पर नेताओं की बैठक बुलाई है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि उनका देश पोलैंड में मिसाइल हमले की रिपोर्टों पर तत्काल गौर कर रहा है और सहयोगियों का समर्थन करेगा कि क्या हुआ था। सुनक ने कहा, ÷हम नाटो समेत अपने अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ भी समन्वय कर रहे हैं।

दरअसल, यूक्रेन रूस-बेलारूस और पोलैंड के बीच बफर रहा है। लेकिन व्लादिमीर पुतिन के आक्रमण के बाद से बहुत कुछ बदल गया है। यहाँ बताया गया है कि कैसे युद्ध पोलैंड की ओर खिसक रहा है। अभी सवाल यह है कि क्या यूक्रेन संघर्ष अपनी सीमाओं पर फैल सकता है जैसा कि हमेशा डर लगता है? इस साल फरवरी में रूस के आक्रमण से पहले, यूक्रेन रूस और अमेरिका के प्रभुत्व वाले पश्चिमी सैन्य गठबंधन नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) के बीच एक रणनीतिक बफर था। लेकिन स्थिति तेजी से बदल रही है।

पाकिस्तान के ग्वादर में सीपीईसी के विरूद्ध प्रदर्शन को चीन ने कमतर कर दिखाने की कोशिश की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कार्यरत सैकड़ों चीनी कर्मियों की सुरक्षा को लेकर देश में बढ़ रही चिंता के बीच सजग चीन ने ग्वादर में सीपीईसी परियोजनाओं के विरुद्ध प्रदर्शन को मंगलवार को तवज्जों नहीं देते हुए कहा कि वे (प्रदर्शनकारी) अरबों डॉलर की इस पहल के खिलाफ नहीं है। पाकिस्तान के अखबार डॉन ने सोमवार को खबर दी कि ग्वादर में प्रदर्शन का रविवार को 18वां दिन था और उसमें सैकड़ों बच्चे भी शामिल हो गये। प्रदर्शनकारी धमकी दे रहे हैं कि ग्वादर में मछली पकड़ने वाली अवैध नौकाओं पर पाबंदी समेत उनकी मांगें एक हफ्ते में यदि नहीं मानी गयीं तो वे चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजनाएं रोक देंगे। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने यहां मीडिया ब्रीफिंग में कहा, '' ये खबरें असत्य हैं। आयोजकों ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि प्रदर्शन चीनी पक्ष या सीपीईसी के विरूद्ध नहीं है।''

ट्रंप ने तो घोषणा कर दी, मगर क्या रिपब्लिकन पार्टी उन्हें राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने का खतरा मोल लेगी?

वाशिंगटन (एजेंसी)।2020 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में हार के बावजूद बड़ी मुश्किल से व्हाइट हाउस छोड़ने वाले डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर से अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में शामिल हो गये हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस की दौड़ में तीसरी बार शामिल होने की घोषणा की है। उन्होंने मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के खराब प्रदर्शन और मार-आ-लागो क्लब सहित अन्य मामलों में अपने खिलाफ जारी कानूनी जांच के बीच यह घोषणा की है। हालांकि, रिपब्लिकन पार्टी 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में हार स्वीकार करने से इंकार करने वाले डोनाल्ड ट्रंप को अपना उम्मीदवार बनाने पर विचार करेगी या नहीं, इस पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं। ट्रंप के हार नहीं स्वीकार करने और उनके कथित भड़काऊ भाषणों के बीच उनके समर्थकों ने छह जनवरी को अमेरिकी संसद भवन (कैपिटल हिल) में हिंसा की थी।

पाम बीच स्थित मार-आ-लागो क्लब में अमेरिका के 30 झंडों और 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' नारे वाले बैनर के बीच खड़े 76 वर्षीय डोनाल्ड ट्रंप ने अपने हजारों समर्थकों, क्लब सदस्यों और पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा, ''अमेरिका को फिर से महान बनाने के लिए मैं आज अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा कर रहा हूं।' उन्होंने कहा कि वह सुनिश्चित करेंगे कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन 2024 में फिर से न चुने जाएं। ट्रंप ने कहा, ''मैं आपकी आवाज हूं।'' इसके बाद उन्होंने 'संघीय निर्वाचन आयोग' में आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी की।

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, ''मैं चुनाव में इसलिए खड़ा हो रहा हूं, क्योंकि मेरा मानना है कि दुनिया ने अभी तक इस देश की असली महानता नहीं देखी है।' उन्होंने कहा कि मानो या न मानो, लेकिन हम उस शिखर पर अभी नहीं पहुंचे हैं।' उन्होंने कहा कि अमेरिका मुश्किल समय से गुजर रहा है। ट्रंप ने कहा, 'हम कट्टरपंथी डेमोक्रेट्स को हराएंगे, जो हमारे देश को भीतर से नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं।' हम आपको बता दें कि इससे पहले, बाइडन ने कहा था कि वह फिर से चुनाव में खड़े होना चाहते हैं, लेकिन इस संबंध में अंतिम फैसला क्रिसमस और नववर्ष के अवकाश के दौरान लेंगे। देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रंप ने अपने राजनीतिक सफर के बेहद नाजुक दौर में एक बार फिर राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने की घोषणा की है। वह मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की भारी जीत के बीच अपने अभियान की शुरुआत करना चाहते थे, लेकिन ट्रंप समर्थित ज्यादातर उम्मीदवारों की हार के चलते उनका यह सपना पूरा नहीं हो सका। वैसे रिपब्लिकन पार्टी में ट्रंप का समर्थन लगातार घट रहा है। हाल के महीनों में उन्हें अपने ही कुछ सहयोगियों की आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है, जिनका कहना है कि रिपब्लिकन पार्टी के लिए अब भविष्य के बारे में सोचने का समय आ गया है। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसैंटिस पार्टी में राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए पहली पसंद बनकर उभर रहे हैं। ऐसे में देखना होगा कि क्या वाकई ट्रंप को रिपब्लिकन पार्टी की उम्मीदवारी मिल पाती है या नहीं। ट्रंप को अभी पहले प्राइमरी और कॉकस चुनाव जीतने होंगे उसके बाद अपनी पार्टी के नेशनल कन्वेंशन में नेताओं का समर्थन हासिल करना होगा।

हाल के मध्यावधि चुनावों में जिस तरह ट्रंप समर्थित उम्मीदवारों की बड़ी संख्या में हार हुई है उसके लिए ट्रंप के अड़ियल रवैये को जिम्मेदार माना गया। साथ ही डेमोक्रेटिक पार्टी ने ट्रंप को लोकतंत्र के लिए खतरे के प्रतीक के रूप में इस तरह स्थापित कर दिया है कि लोग उनसे खार खाने लगे हैं। ऐसे में ट्रंप की पार्टी के लिए उनको उम्मीदवार बनाना बड़ा राजनीतिक खतरा मोल लेने के बराबर होगा।

संपादकीय

अब राज्य के आला अधिकारी तीन महीने तक इस बात की पड़ताल करेंगे कि विगत में जो लाइसेंस दिये गये थे, क्या उनकी वजह तर्कसंगत थी। क्या वास्तव में लाइसेंस लेने वाले व्यक्ति की जान को खतरा था? अब तीन महीने तक चलने वाली समीक्षा में यदि पाया जाता है कि किसी समाज विरोधी तत्व को विगत में लाइसेंस जारी किया गया था तो उसे तुरंत रद्द किया जायेगा।

बंदूक संस्कृति पर अंकुश

देर से उठे कदमों पर सख्ती से हो पालन/ सीमावर्ती राज्य पंजाब ही नहीं, पूरे देश में पंजाब में जारी हिंसक गतिविधियों को लेकर चिंता महसूस की जा रही थी। खासकर पुलिस सुरक्षा के बीच मशहूर पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला, शिवसेना नेता सुधीर सूरी और डेराप्रेमी प्रदीप की सरेआम हत्या के बाद तो यह फिक्र ज्यादा बढ़ी। इसके बाद विपक्ष के निशाने पर आई आप सरकार हरकत में दिखी। दरअसल, इन हत्याओं ने न केवल पंजाब बल्कि पूरे देश को विचलित किया है। कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति के बीच बचाव की मुद्रा में आई पंजाब सरकार ने अब फैसला लिया है कि अगले तीन महीने तक नये हथियारों के लाइसेंस नहीं बनेंगे। साथ ही बिना किसी ठोस कारण के जारी हुए आर्म्स लाइसेंसों की समीक्षा की जायेगी और गैर जरूरी कारणों से जारी किये गये लाइसेंस रद्द भी किये जायेंगे। बहरहाल, गन कल्चर पर लगाम लगाने के लिये मान सरकार भले देर से ही सही, हरकत में तो आई है। अब जब राज्य का माहौल खराब करने की कोशिशें परेशान कर रही हैं तो कुछ फौरी कदम उठाये गये हैं। अब राज्य के आला अधिकारी तीन महीने तक इस बात की पड़ताल करेंगे कि विगत में जो लाइसेंस दिये गये थे, क्या उनकी वजह तर्कसंगत थी। क्या वास्तव में लाइसेंस लेने वाले व्यक्ति की जान को खतरा था? अब तीन महीने तक चलने वाली समीक्षा में यदि पाया जाता है कि किसी समाज विरोधी तत्व को विगत में लाइसेंस जारी किया गया था तो उसे तुरंत रद्द किया जायेगा। साथ ही हेट स्पीच पर भी तुरंत मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिये गये हैं। निश्चित रूप से मौजूदा हालात में राज्य की कानून-व्यवस्था बनाये रखने के लिये ऐसे कदम तत्काल उठाने की जरूरत थी। इसके साथ ही उस सामाजिक व्यवहार पर नकेल डालने की कोशिश हुई है जो गन कल्चर को बढ़ावा देता है। मसलन सोशल मीडिया पर हथियारों का महिमामंडन रोकने, शादियों व सामाजिक समारोहों आदि में हथियारों के सार्वजनिक प्रदर्शन पर भी रोक लगाने के निर्देश दिये गये हैं। इसके अलावा किसी समुदाय के खिलाफ नफरत भड़काने के किसी भी प्रयास पर पुलिस सख्त एक्शन लेगी। दरअसल, विगत में पंजाब एक भयावह अशांत दौर से गुजरा है। फलत- राज्य हथियारों के लाइसेंसों के मामले में उत्तर प्रदेश व जम्मू-कश्मीर के बाद तीसरे नंबर पर आता है। बताया जाता है कि काले दौर के चलते यहां लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया अन्य राज्यों के मुकाबले सहज रही है। जो बदले हालात में अब कानून व्यवस्था के लिये जटिल चुनौती बनती जा रही है। लेकिन इससे बड़ी चिंता इस बात की है कि राज्य में दो लाख से ज्यादा अवैध हथियार मौजूद बताये जाते हैं। सूत्रों के अनुसार पंजाब में इस समय चार लाख के करीब एक्टिव आर्म्स लाइसेंस हैं। इसके अलावा राज्य में हथियार व हिंसा को बढ़ावा देने वाले गीतों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने के आदेश भी दिये गये हैं। पिछले दिनों कई गीतों में हथियारों का प्रदर्शन तथा गुणगान देखने में आता रहा है। विभिन्न सामाजिक संस्थाएं भी इस तरह के गीतों पर रोक लगाने के लिये कई बार सरकारों से आग्रह कर चुकी हैं। लेकिन कई कलाकारों के विरोध के बावजूद इस दिशा में कोई सार्थक पहल होती नजर नहीं आई। इसके साथ ही युवाओं को भ्रमित करने वाले भाषणों पर सख्ती करने की मांग की जाती रही है। विशेष रूप से अलगाववादी सोच पर अंकुश लगाने के लिये सरकारी पहल की दरकार थी। विगत के दुखद अनुभव बताते हैं कि इससे समाज में टकराव व वैमनस्य को ही बढ़ावा मिलता रहा है। वहीं सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाईचारे को पलीता लगाने वाले भड़कीले बयानों पर पुलिस का मूकदर्शक बने रहना भी चिंता का कारण बना हुआ था।

सूक्ति

महान विचार ही कार्य रूप में परिणत होकर महान कार्य बनते हैं।
- विनोबा भावे

समय की रेत पर कदमों के निशान बैठकर नहीं बनाये जा सकते।
- कहावत

लॉफिंग ज़ोन

पुलिस अधिकारी ने अभियुक्त से पूछा, 'क्या तुम लिख-पढ़ सकते हो?'
अभियुक्त ने कहा, 'लिख सकता हूं, पढ़ नहीं सकता.'
'अच्छा, इस कागज पर अपना नाम लिखो.' पुलिस अधिकारी ने उसे आदेश दिया. अभियुक्त ने कुछ आड़ी-तिरछी रेखाएं खीच दी. इस पर पुलिस अधिकारी ने खीझकर कहा, 'यह क्या लिखा है?'
अभियुक्त - 'सर, मैंने पहले ही कहा था कि मै लिख सकता हूं, लेकिन पढ़ नहीं सकता.'

☺ ☺ ☺

रेलवे स्टेशन पर प्रेमी अपनी प्रेमिका को शादी के लिए मना रहा था. जब प्रेमिका नहीं मानी तो उसने खीझकर कहा, 'ठीक है, अगर तुम मुझसे शादी नहीं करोगी तो मै आने वाली गाड़ी से कटकर मर जाऊंगा.'
प्रेमिका ने भी सिर झटकते हुए कहा, 'पहले मुझे सोचने का समय तो दो. गाड़ी का क्या है वह तो हर आधे घंटे में आती है.'

☺ ☺ ☺

एक भिखारी ने महिला से कहा, 'बहन जी! इस गरीब लाचार की मदद करो.'
महिला ने जवाब दिया, 'लेकिन तुम्हारे हाथ-पैर तो सब सलामत है फिर तुम लाचार कैसे हो गये?'
भिखारी ने जवाब दिया, 'अपनी आदत से.'

सन 1835 के बाद भारतीय शिक्षण प्रणाली को लगा लार्ड मैकाले नाम का ग्रहण

(लेखक-विजय कुमार जैन)

> अंग्रेजों ने प्राचीन काल से संचालित भारतीय शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन किया और जो शिक्षा प्रणाली लागू की उसके दुष्परिणाम आज हम युवा पीढ़ी में देख रहे हैं अंग्रेजों द्वारा थोपी गई शिक्षा प्रणाली के माध्यम से भारत में कॉन्वेंट स्कूल खोले गए और ईसाई धर्म का प्रचार प्रसार प्रारंभ किया।

भारत में प्राचीन काल से वैदिक संस्कृति के अनुरूप गुरुकुल शिक्षा प्रणाली सुव्यवस्थित रुप से संचालित थी। भगवान श्री राम एवं श्री कृष्ण ने गुरुकुल में शिक्षा ग्रहण की थी। गुरुकुल शिक्षा प्रणाली में बालक एवं बालिकाओं के अलग-अलग गुरुकुल संचालित थे। भारत वासियों का दुर्भाग्य रहा कि देश को गुलाम बनाकर मुसलमानों एवं अंग्रेजों ने भारतीय संस्कृति पर कुठाराघात किया। यहां के प्राचीन गौरव को नष्ट किया। धर्मायतनों को नष्ट किया। गौरवशाली इतिहास में मनमाना बदलाव किया। मुसलमानों एवं अंग्रेजों ने धनसंपदा लूटी हमारे मंदिरों को तोड़कर मस्जिद बनाई। इसी प्रकार अंग्रेज हमारी पुरातत्व की वस्तुएं एवं कोहिनूर हीरा तक इंग्लैंड ले गए। अंग्रेजों ने प्राचीन काल से संचालित भारतीय शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन किया और जो शिक्षा प्रणाली लागू की उसके दुष्परिणाम आज हम युवा पीढ़ी में देख रहे हैं अंग्रेजों द्वारा थोपी गई शिक्षा प्रणाली के माध्यम से भारत में कॉन्वेंट स्कूल खोले गए और ईसाई धर्म का प्रचार प्रसार प्रारंभ किया। देश की आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर भी अंग्रेजों द्वारा थोपी शिक्षा नीति में हम बदलाव नहीं कर पाए। जैन आचार्य विद्यासागर जी महाराज के क्रांतिकारी शिष्य मुनि अक्षय सागर जी महाराज द्वारा लिखित पुस्तक 'शिक्षक शिक्षा और संस्कार' मैं उल्लेख किया है मातृभाषा और राष्ट्रभाषा ही हमारे शरीर और मस्तिष्क के लिए योग्य है अंग्रेजी विचार की भाषा हमारे शरीर एवं मस्तिष्क के लिए योग्य नहीं है। यह बात विज्ञान ने भी साबित की है। अंग्रेज शासकों ने भारत में लंबे समय तक राज्य करने के लिए कौंनसी नीति लागू की जाए इसके अध्ययन के लिए उनके देश के दार्शनिक लॉर्ड मेकाले को भारत भ्रमण के लिए भेजा। लॉर्ड मेकाले 18 वीं शताब्दी के आरंभ में भारत आए और वर्षों तक भारत के ग्रामीण अंचलों में भी घूमे। भारत भ्रमण के बाद वापस इंग्लैंड पहुंचकर लॉर्ड मेकाले ने 2 फरवरी 1835 को ब्रिटिश संसद के हाउस ऑफ कॉमंस में भाषण देते हुए कहा मैंने भारत की चतुर्दिक यात्रा की है और मुझे इस देश में एक भी याचक अथवा चोर नहीं दिखा, मैंने इस देश में सांस्कृतिक संपदा से युक्त उच्च नैतिक मूल्यों तथा असीम क्षमता वाले व्यक्तियों के दर्शन किए हैं, मेरी दृष्टि में आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत जो कि इस देश का मेरुदंड रीढ़ है उसको खंडित किए बिना हम इस देश पर विजय प्राप्त नहीं कर सकते हैं। लार्ड मैकाले ने प्रस्ताव किया कि इस देश की प्राचीन शिक्षा पद्धति, उनकी संस्कृति को इस प्रकार परिवर्तित कर दें कि परिणाम स्वरूप भारतीय यह सोचने लगें कि जो कुछ भी हैं विदेशी एवं अंग्रेज हैं वही श्रेष्ठ एवं महान हैं। इस तरह से वे अपना आत्मसम्मान, आत्म गौरव तथा उनकी अपनी मूल संस्कृति को खो देंगे और वह वही बन जाएंगे जो कि हम चाहते हैं, पूर्ण रूप से हमारे नेतृत्व के अधीन एक देश। ब्रिटिश संसद में लॉर्ड मेकाले से जब दूसरा प्रश्न पूछा गया कि भारत की संपत्ति किसमें है? मैकाले ने उत्तर दिया कि भारत की संपत्ति उनकी शिक्षा में है हम उनकी शिक्षा पद्धति को जब बिगाड़ देंगे तब भारत हमारे अधीन हो जाएगा। ब्रिटिश संसद में मेकाले से फिर पूछा गया कि भारत का धन वैभव संपत्ति खत्म करने के लिए तुम्हारे पास क्या योजना है? मेकाले ने उत्तर दिया कि भारत की शिक्षा व्यवस्था खत्म कर दो तो भारत में जितना भी धन वैभव संपत्ति है वह उसकी शिक्षा व्यवस्था के कारण हैं और यह बिगाड़ने के लिए पहला कार्य शुरू किया जाए कि भारत में कांवेंट स्कूलों का अधिक से अधिक संख्या निर्माण में किया जाए। मैकाले ने संसद में यह भी कहा था कि कोलकाता में पहला कान्वेंट स्कूल खोलने वाला हूं। ब्रिटिश संसद ने फिर पूछा कि क्या भारत में भी कान्वेंट की जरूरत है? तब लॉर्ड मैकाले ने कहा था मैं भारत में कान्वेंट स्कूल खोल कर बच्चों को अनाथ बनाऊंगा। साथ ही उन्हें ना घर के ना घाट के ऐसी स्थिति करके छोड़ूंगा। लॉर्ड मेकाले की योजना के अनुसार 1835 से 1947 तक 30 से 35 हजार कान्वेंट स्कूल शुरू हो गए थे। ब्रिटिश संसद ने 'इंडियन एजुकेशन एक्ट' सन 1858 मैं बनाया, इसकी ड्राफ्टिंग लॉर्ड मेकाले ने की थी। हम **indian** इंडियन शब्द के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में एक अंग्रेजी शब्दकोश है इस कोश के प्रश्न क्रमांक 789 पर बताया गया है कि इंडियन शब्द का अर्थ होता है **poor**अर्थात गरीब, दूसरा अर्थ होता है **old-fashioned** अर्थात पुराने तत्व आचरण में लाने वाले और एक अर्थ और होता है **criminal poor** गुन्हेगार। यह एक्ट बनाने के बाद उन्होंने गुरुकुल में पढ़ाई जाने वाली भारतीय भाषाएं जैसे मराठी संस्कृत तेलुगू गुजराती आदि भाषाओं को पढ़ाना गैरकानूनी बना दिया। इसे बंद करना चाहिए ऐसा ऐलान किया और इस देश के गुरुकुलों को घूम घूम कर खत्म कर दिया। उनमें आग लगा दी। तब भारतीय छात्र छात्राएं शिक्षकों ने विरोध किया कुछ लोग जेल भी गए। उनको बहुत मारा पीटा गया। विरोध करने वाले अध्यापकों के हाथ तोड़े गए । बड़े-बड़े पुस्तकालयों को जलाया गया। इस प्रकार के अत्याचार लगभग 100 वर्षों तक अंग्रेज करते रहे। लगभग 1840 से 1940 तक इस प्रकार अन्याय अत्याचार करती हुई यहां की शिक्षा पद्धति बिगाड़ दिया,भारतीय लोगों के विचारों में परिवर्तन लाया गया। सुप्रसिद्ध इतिहासकार प्रोफेसर धर्मपाल ने कहा है कि भारत में 7 लाख 32 हजार गांव हैं, कोई भी गांव ऐसा नहीं है कि जहाँ स्कूल तथा गुरुकुल नहीं है। सभी विषयों का ज्ञान दिया जाता था। छात्रों की संख्या एक गुरुकुल में लगभग 200 से 2000 तक रहा करती थी ऐसे गुरुकुलों में विद्या तथा शिक्षा दोनों प्रदान किए जाते थे जिसमें नैतिकता, आध्यात्मिकता, धर्म अधर्म न्याय अन्याय आदि की जानकारी हो वह विद्या कहलायी जाती थी। गुरुकुल में कुल 18 विषय पढ़ाये जाते थे जैसे गणित, खगोल शास्त्र, वास्तु शास्त्र, स्थापत्य शास्त्र, रसायन शास्त्र, चिकित्सा शास्त्र आदि सन 18 85 में ब्रिटेन के शिक्षा मंत्री ने कहा था कि भारत में लगभग 100% साक्षरता है किंतु ब्रिटेन में मात्र 17% साक्षरता है उस समय सबसे अधिक साक्षरता भारत वर्ष में थी। भारत में 7 लाख 32 हजार गुरुकुल थे तब ब्रिटेन में मात्र 240 स्कूल थे। इससे स्पष्ट होता है कि उन दिनों भी हमारे देश में शिक्षा के क्षेत्र में कितनी बड़ी प्रगति की थी। प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति के संबंध में डॉं अनंत सदाशिव अलपेकर ने 1955 में 'प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति' में लिखा था कि जैन साहित्य से प्रमाणित है कि प्राचीन भारत में शिक्षा अंतर्ज्योति और शांति का स्रोत मानी जाती थी, जो शारीरिक मानसिक, बौद्धिक तथा आर्थिक शक्तियों के संतुलित विकास के लिए हमारे स्वभाव में परिवर्तन करती थी। एक निष्पक्ष अंग्रेज लेखक ने लिखा है कि जब तक भारत के स्कूल एवं घरों में सामंजस्य नहीं होगा तब तक दिनों दिन भ्रष्ट होता जाएगा। वे आगे लिखते हैं कि जब तक हम निज वैभव, निज ज्ञान नहीं प्राप्त करेंगे तब तक हम 'पर' वस्तु का आकर्षण मन से नहीं हटा सकते।

वर्तमान में हम पाश्चात्य शिक्षा और संस्कृति की ओर आकर्षित होकर उसका अंधानुकरण कर रहे हैं जैन आचार्य विद्यासागर जी महाराज की शिष्या आर्यिका विरत मति माताजी ने राघौगढ़ में विशाल प्रवचन सभा में भारत की शिक्षा नीति पर प्रवचन करते हुए कहा लार्ड मैकाले की शिक्षा नीति का ही दुष्परिणाम है कि हमने गुरुकुल की शिक्षा छोड़कर विश्वविद्यालय एवं कान्वेंट स्कूल की शिक्षा को स्वीकार किया। लड़के और लड़की एक ही कॉलेज या स्कूल में पढ़ रहे हैं। यह पाश्चात्य संस्कृति की ही देन है इस शिक्षा प्रणाली से भारतीय संस्कृति और संस्कारों का हनन हो रहा है और चरित्र हीनता बढ़ रही है।

नोट- लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं

लाला लाजपत राय बलिदान दिवस

(लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन/ 17 नवंबर)

लाला लाजपत राय 19 वीं सदी के अंत और 20 वीं सदी की शुरुआत में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक थे। लाला जी पंजाब के साथ ही पूरे देश में एक ओजस्वी, वक्ता, लेखक, इतिहासकार, संपादक, समाज सुधारक और स्वतंत्रता सेनानी थे। लाल बाल पाल की जोड़ी के लाल कांग्रेस के अंदर गरम दल के ओजस्वी नेता के रूप में काम करते रहे। उन्हें उनके स्वदेशी आंदोलन में योगदान और शिक्षा के प्रसार के लिए ज्यादा जाना जाता है। एक समाज सुधारक के तौर पर वे दयानंद सरस्वती के आर्य समाज से भी जुड़े और दलितों के वेद पढ़ने की इजाजत देने की भी पैरवी की। लाला लाजपतराय का नाम भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में एक विशिष्ट स्थान रखता है। एक राजनेता, इतिहासकार, वकील और लेखक रहे लालाजी को पंजाब केसरी के नाम से जाना था जो अपने समय की मशहूर तिकड़ी लाल बाल पाल के लाला ने जीते जी तो स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान दिया ही, उनकी मौत ने भी देश के युवाओं में आजादी की लड़ाई के लिए प्रेरित करने का काम किया। 17 नवंबर को देश उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें याद कर रहा है। उनकी मौत 1928 में साइमन कमीशन के शांतिपूर्वक विरोध के दौरान हुए लाठीचार्ज से मिली चोटों के कारण हुई जिससे देशभर में अंग्रेजों के खिलाफ आक्रोश भर गया था।

लाला राजपत राय का जन्म पंजाब के मोगा जिले में 28 जनवरी 1865 को अग्रवाल परिवार में हुआ था। उनके पिता मुंशी राधाकृष्ण आजाद उर्दू के शिक्षक थे 1880 में ही उन्होंने कलकत्ता और पंजाब यूनिवर्सिटी की प्रवेश परीक्षा पास की। उनके पिता जब हिसार में रहने गए तब उनकी कानून पढ़ाई शुरू हुई। इसी दौरान वे आर्यसमाज के सम्पर्क में आए और फिर 1885 में कांग्रेस की स्थापना के समय वे उसके प्रमुख सदस्य बने। लाला लाजपत राय एक समाज सुधार भी थे जिन्होंने शिक्षा के लिए विशेष कार्य भी किए थे। समाज सेवा के लिए दयानंद सरस्वती से जुड़े जिन्होंने आर्य समाज की स्थापना की थी। उन्होंने पंजाब में आर्य समाज की स्थापना में अहम भूमिका निभाई। देश को पहला स्वदेशी बैंक लाला जी ने ही दिया था। उन्होंने ही पंजाब में पंजाब नेशनल बैंक की नींव रखी थी। उन्होंने दयानंद एंग्लो वैदिक विद्यालयों का भी प्रसार किया जो आज देश भर मे डीएवी स्कूलों के नाम से जाने जाते हैं।

साइमन कमीशन का विरोध

साल 1927 में अंग्रेजों ने साइमन कमीशन भारत में वैधानिक सुधार के लिए भेजागया। इसमें एक भी भारतीय सदस्य नहीं था जिसकी वजह से कांग्रेस सहित पूरे देश ने विरोध किया। गांधी जी के नेतृत्व में कांग्रेस ने पूरे देश में शांतिपूर्ण विरोध करने का फैसला किया। इसमें कांग्रेस के साइमन गो बैक का नारा देश भर में गूंज उठा। लाला जी ने पंजाब में इस विरोध प्रदर्शन का जिम्मा उठाया।

लाहौर में लालाजी पर लाठी चार्ज

पंजाब के लाहौर में लाला लाजपत राय ने इस कमीशन का विरोध किया और कमीशन को काले झंडे दिखाते हुए शांतिपूर्वक विरोध जताया। इससे बौखलाकर अंग्रेज पुलिस ने विरोध कर रही भीड़ पर लाठी चार्ज कर दिया जिसका नेतृत्व लाला लाजपत राय कर रहे थे। एसपी जेम्स ए स्कॉट के नेतृत्व में हुए इस लाठीचार्ज में लाला जी गंभीर रूप से घायल हो गए।

लालाजी की वह भविष्यवाणी

जख्मी लालाजी ने घायल होने के बाद कहा था कि उनके शरीर पर पड़ी एक एक लाठी ब्रिटिश राज के ताबूत में आखिरी कील साबित होगी। इसके बाद लाला जी 18 दिनों तक अस्पताल में जिंदगी और मौत की लड़ाई लड़ते रहे और 17 नवंबर 1928 को उनका देहांत हो गया। लाला जी की मौत से पूरे देश में आक्रोश फैल गया।

भगत सिंह और साथियों का बदला

लाला जी की मौत के बाद भगत सिंह, सुखदेव राजगुरू और चंद्रशेखर आजाद ने मिलकर ने लालाजी की मौत का बदला लेने के लिए स्कॉट की हत्या की योजना बनाई। लेकिन पहचान में गलती होने के कारण भगत सिंह, और राजगुरू ने जॉन पी सॉन्डर्स को गोली मार दी जो उस समय लाहौर का एसपी था। दोनों ने 17 दिसंबर 1928 को उसे तब गोली मारी जब वह लाहौर का जिला पुलिस हेडक्वार्टर से बाहर निकल रहा था। जबकि आजाद ने उनकी भागने में मदद की। लाला लाजपत राय अपने ओजस्वी वाणी के कारण पंजाब की आवाज बन चुके थे।

पंजाब में लोग उन्हें बहुत मानते थे। यही वजह थी उनकी मौत का बदला भगत सिंह और उनके साथी क्रांतिकारियों ने लेने का फैसला किया था। उनके इसी मान के कारण उन्हें पंजाब केसरी कहा जाता था। उनके सम्मान में देश और पंजाब में कई जगह स्कूल और अन्य शिक्षण संस्थान हैं।

(चिंतन-मनन)

समता की अनुभूति

मनोबल के विकास का दूसरा सूत्र बताया गया है- स्व दर्शन समता का दर्शन या परमात्मा का दर्शन। प्रांस की यूनिवर्सिटी का एक प्रोफेसर अहंकार में आकर बोला, 'मैं दुनिया का सर्वश्रेष्ठ आदमी हूं।' किसी ने पूछ लिया-यह कैसे? उसने कहा, 'प्रांस दुनिया का सर्वश्रेष्ठ देश है। पेरिस प्रांस का सर्वश्रेष्ठ नगर और हमारा विश्वविद्यालय हमारे नगर का सर्वश्रेष्ठ क्षेत्र। दर्शन का विभाग उसमें सर्वश्रेष्ठ। मैं उसका अध्यक्ष। इसलिए मैं सर्वश्रेष्ठ आदमी। यह कैसा गणित है! हमारी दृष्टि जब दूसरों की ओर जाती है तो यही निष्कर्ष निकलता है कि हम दूसरों को काटते जाते हैं, तोड़ते जाते हैं और दूसरों के संदर्भ में हम अपने को सर्वश्रेष्ठ प्रतिष्ठापित करते जाते हैं। इसके अतिरिक्त कोई निष्कर्ष निकलता ही नहीं है। जब स्व-दर्शन में आदमी आता है तो उसे अनुभव होता है कि न प्रांस सर्वश्रेष्ठ, न पेरिस सर्वश्रेष्ठ, न विश्वविद्यालय सर्वश्रेष्ठ, न दर्शन का विभाग सर्वश्रेष्ठ और न विभागाध्यक्ष। सब समान है। सब व्यक्ति समान, सब देश समान, सब राष्ट्र समान और सब आत्माएं समान। जो समता के क्षण में जाता है, उसे यह नहीं लगता कि यह अलग, वह अलग। उसे लगता है कि सब मेरे-जैसे हैं। यह समान ही समान का गणित ऍसा चलता है कि अनन्त में से अनंत निकालो तो भी पीछे अनन्त ही रहेगा। अनन्त में अनन्त मिलाओ तो भी अनन्त ही रहेगा। समता में मिलाते जाओ, निष्कर्ष समता। यह समता की अनुभूति जब जागती है, तब एक विचित्र अनुभव होता है। उसे जगाने का जो सूत्र है, वह मनोबल को जगाने का परम सूत्र होता है।

सैर कर दुनिया की

सैर के इस रस को समझते हुए ही इस्माइल मेरठी ने कहा सैर कर दुनिया की गाफिल जिंदगानी फिर कहां जिंदगी गर कुछ रही तो नौजवानी फिर कहां और बाद में महापंडित बने राहुल सांकृत्यायन इससे ऐसे प्रभावित हुए कि घर-बार सब छोड़ कर दुनिया घूमने ही निकल पड़े। फिर घूमने पर लिखना शुरू किया तो पूरा घुमक्कड़ शास्त्र ही लिख डाला। क्यों घूमें, कब घूमें, कैसे घूमें, आदि-आदि ऐसे बहुतेरे सवालों के सटीक जवाब राहुल ने घूमते-घूमते ही दिए हैं। हालांकि तब से लेकर अब तक समय के साथ परिस्थितियां और परिवेश सभी बिलकुल बदल चुके हैं। पर्यटन की व्यवस्था प्रशिक्षित और कुशल हाथों में जा चुकी है। अब कहीं भी आने-जाने के लिए कोई खास मौसम नहीं रह गया है। कभी भी कहीं भी जाया जा सकता है। हर जगह ठहरने-खाने के लिए हर तरह की व्यवस्था है। आप खास तौर से पर्यटन के रोमांच पक्ष का मजा लेने के लिए ही निकलना चाहें तो अलग बात है, वरना कभी बहुत मुश्किल समझी जाने वाली जगहों के लिए भी अब आसानी से सवारियां उपलब्ध हो जाती हैं।

तो जाहिर है, कीमत कम या ज्यादा भले हो, पर सैर-सपाटा अब पहले की तरह मुश्किल बात नहीं रही। हमारी कुशलता इस बात में है कि समय के साथ मिली सुविधाओं का पूरा लाभ उठाएं। कम से कम जो कीमत हम दे रहे हैं, उसका अधिकतम रिटर्न तो हासिल कर ही लें। जरा सोचिए, पर्यटन का असली हासिल क्या हो सकता है, न्यूनतम या अधिकतम जो कुछ भी है, सैर-सपाटे का असली हासिल तो है पूर्वाग्रहों से मुक्ति। जैसा कि अमेरिकी व्यंग्यकार मार्क ट्वेन कहते हैं घूमना बहुत घातक है दुराग्रहों, कट्टरता और कूप मंडूकता के लिए।

जब निकलना हो सैर पर

इसलिए जब घूमने निकलना हो तो पूर्वाग्रहों से मुक्ति की तैयारी पहले कर लें। सबसे पहले तो यह जरूरत घुमक्कड़ी के संदर्भ में ही है। पर्यटन के कार्पोरेटीकरण के इस दौर में आम तौर पर होता यह है कि लोग अपने ढंग से अलग.अलग फ्लाइट और होटल बुकिंग करा कर घूमने के बजाय किसी एजेंसी का पैकेज ले लेते हैं। इन पैकेजों में घूमने के लिए शहर तो तय होते हैं, पर शहरों या उनके आसपास जगहें कौन-कौन सी दिखाई जाएंगी यह पहले से तय नहीं होता है। कई बार तय करके भी नहीं दिखाया जाता और कई बार ट्रैवल एजेंट किसी जगह की बहुत मशहूर चीजों को ही आपकी आइटेनरी में दर्ज कर देते हैं। इसलिए जब आप पैकेज फाइनल करने निकलें तो इन सब बातों का पूरा खयाल रखें।

किन शहरों में वे कौन-कौन सी दर्शनीय चीजें दिखाएंगे और वहां के लोकजीवन को देखने-समझने के लिए वह आपको कितना वक्त देंगेए यह सब पहले से तय कर लें। क्योंकि दूर देश में जो चीजें छूट जाएंगी, बाद में मालूम होने पर उन्हें न देख पाने की कसक उम्र भर बनी रहेगी और अगर आप उन्हें फिर देखना ही चाहें तो इसके लिए आपको दुबारा पूरा किराया-भाड़ा खर्च करना पड़ेगा। यह बात भी याद रखें कि सभी क्षेत्रों की तरह इस क्षेत्र में भी मोलभाव की पूरी गुंजाइश होती है। कम से कम धन में ज्यादा से ज्यादा फायदा पाने के लिए मोलभाव करने में संकोच बिलकुल न करें।

ऐसे करें तैयारी

देश या विदेश, जहां कहीं भी पर्यटन के लिए निकलना हो, कम खर्च में ज्यादा फायदा हासिल करने का अच्छा तरीका यह है कि तैयारियों की शुरुआत आप जानकारी जुटाने से करें। मसलन यह कि जहां कहीं भी आप जा रहे हैं, उसके आसपास और कौन.कौन सी जगहें हैं, क्या उन्हें इस यात्रा पैकेज में शामिल किया जा सकता है, जिन शहरों की यात्रा पर आप जा रहे हैं, वहां देखने के लिए कौन-कौन सी मशहूर जगहें हैं।

खास तौर से किसी भी बड़े शहर के भीतर की दर्शनीय जगहों को कई हिस्सों में बांटकर देखें। दुनिया के सभी बड़े शहरों में देखने के लिए आधुनिक दौर की कई चीजें होती हैं। इससे वहां के व्यापारिक और तकनीकी विकास का पता चलता है। घुमक्कड़ी का दूसरा पक्ष रिक्रिएशन है, जिसे मौज-मस्ती या रोमांच भी कह सकते हैं।

समुद्रतट और उनके आस पास की घुमक्कड़ी इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। सागर तट पर टहलना जहां मौज.मस्ती का माध्यम है, वहीं वॉटर राफ्टिंग, स्नोर्केलिंग या वॉटर स्कूटरिंग जैसी गतिविधियां रोमांच का। समुद्र तट पर बसे बडे, शहरों में ये दोनों चीजें एक साथ मिलती हैं। अधिकतर ट्रैवल एजेंसियों द्वारा कराया जाने वाला पर्यटन बस यहीं तक सीमित होता है। पर याद रखें, ऐसा कोई बड़ा शहर नहीं है जिसका समृद्ध अतीत न हो। यह भी कि प्राचीनकाल में स्थापत्य की सर्वोत्तम कृतियां धार्मिक विश्वासों-संस्थाओं की देन हैं। आज भी कई शहरों में मौजूद धार्मिक स्थलों का स्थापत्य सौंदर्य देखते ही बनता है। संग्रहालय अब विज्ञान से लेकर, प्रकृति, इतिहास और कला तक सभी विषयों के कई शहरों में है। इसलिए जब भी घूमने निकलें तो उस स्थान विशेष की सभी ऐतिहासिक-सांस्कृतिक धरोहरों के बारे में पहले से पूरी जानकारी कर उन्हें अपनी सूची में शामिल करना न भूलें।

रहे ध्यान इतना

जब आप पर्यटन के लिए निकलते हैं तो घूमना जितना महत्वपूर्ण है, व्यक्तिगत सुरक्षा व सेहत उससे कम अहम नहीं है। यह सच है कि अब हर मौसम में हर जगह घूमा जा सकता हैए पर मौसम के कुछ रंग या भौगोलिक हालात निजी तौर पर आपके लिए नुकसानदेह हो सकते हैं। इसलिए जब कहीं निकलना हो तो वहां की पारिस्थिति की के बारे में जान लें। यह सारी जानकारी आपको इंटरनेट से मिल सकती है। इसके अनुरूप अपने चिकित्सक की सलाह और जरूरी दवाइयां लेना कभी न भूलें। अगर आप देश के भीतर जा रहे हों तो वहां अपने पूर्व परिचितों और बाहर जा रहे हों तो भारतीय उच्चायोग के बारे में पूरी जानकारी जरूर कर लें। मुश्किल समय में यही आपके काम आते हैं। यह सही है कि बाहर जाते वक्त सभी जरूरी सामान आपके पास होने चाहिए, पर यह भी खयाल रखें कि यात्रा के दौरान सामान जितना ज्यादा होगाए झंझटें भी उतनी ही ज्यादा होंगी। इसलिए जो सामान ले जाने हैं पहले उनकी सूची बनाएं। फिर उन पर विचार करें। जो चीजें बहुत जरूरी हों, वही ले जाएं। अगर इन बातों का खयाल रखें तो सैर-सपाटा छुट्टियां बिताने और मौज-मस्ती का सबसे अच्छा जरिया साबित होगा। व्यक्तित्व विकास इसका बोनस तो है ही, भला उससे आपको वंचित कौन कर सकता है!

ध्यान दें इन बातों पर

वीजा की औपचारिकता

अगर आप विदेश यात्रा पर निकल रहे हैं तो जब यह निश्चित हो जाए कि आपको कहां-कहां जाना है, तुरंत वीजा के लिए कार्यवाही शुरू कर दें। मुख्य गंतव्य के बाद उसके आस पास के विकसित देशों के वीजा के लिए पहले आवेदन क्यों करें। क्योंकि कुछ देश इस प्रक्रिया में ज्यादा समय लगाते हैं, साथ ही उनकी कुछ शर्ते भी होती हैं। समय से पहले आवेदन करें तो यह काम आसान हो जाता है।

टीका लें

कुछ देशों की जलवायु के अनुरूप वहां खास किस्म की बीमारियों की आशंका बनी रहती है। बेहतर होगा कि उनके लिए पहले से ही टीकाकरण करवा कर चलें। मसलन पूरे पश्चिमी यूरोप में कहीं आने वाले पर्यटकों को हेपेटाइटिस ए और बीए ब्राजील आने वाले विदेशियों को येलो फीवर और मलेशिया जाने वालों को डेंगू फीवर का टीका लेकर आने की सलाह दी जाती है।

बच कर रहें

ध्यान रखें, आतंकवाद किसी एक देश या क्षेत्र की समस्या नहीं रह गया है। अब यह विश्वव्यापी है। इसके अलावा कई देशों में चोरी, झपटमारी व जेबकतरी जैसे अपराध खूब बढ़ रहे हैं। इंडोनेशिया, ब्राजील, मलेशिया, श्रीलंका जैसे देशों में तो यह सब होता ही है, इटली और नीदरलैंड्स जैसे विकसित देश भी माफियाओं और उचक्कों के प्रभाव से अछूते नहीं हैं। इसलिए कहीं भी हों, इनसे हमेशा सतर्क रहें। जो भी देखना हो दिन में घूम लें, अनजान जगह पर रात में बाहर निकलने से बचें।

अपनों से जुड़े रहें

आप जहां कहीं भी हों, वहां आपकी स्थिति और कुशलता की सूचना आपके परिजनों और शुभचिंतकों को निरंतर होनी चाहिए। इसके लिए बेहतर होगा कि आप उनसे लगातार जुडे रहें। संचार साधनों के इस युग में यह मुश्किल भी नहीं है। मोबाइल पर आईएसडी रोमिंग की जरूरत नहीं है। अधिकतर देशों में आपको शॉर्ट टर्म प्रीपेड सिम पासपोर्ट की जीरॉक्स कॉपी देकर मिल जाते हैं। इसका प्रयोग करें।

मर्यादाओं का सम्मान

जिस किसी भी देश में जाएं उसके कानून और शिष्टाचार का सम्मान करें। कुछ विश्वप्रसिद्ध शहरों के कुछ क्षेत्र प्रसिद्ध हैं। वहां बाहरी लोगों को जाने से मना किया जाता है। उनके बारे में किताबी जानकारी रखें। मौका मुआयना करने की कोशिश न करें। यह नुकसानदेह हो सकता है।

भय जंतुओं का

अगर आप कुछ खास जंतुओं से डरते हैं तो विदेश में ठहरने या घूमने के लिए स्थल चुनते हुए सावधानी बरतें। मसलन उष्णकटिबंधीय देशों में बड़े आकार की छिपकलियां खूब देखी जाती हैं। इसी तरह हिंदू संस्कृति से प्रभावित देशों में मंदिरों के आस पास बंदरों का होना आम बात है। मलेशिया के पेनांग शहर में चीनी समुदाय के एक मंदिर में तो सर्पों की बहुतायत है। अगर आप इन जंतुओं से डरते हैं तो उन्हें बाहर से ही देख कर आ जाएं। उन्हें नुकसान पहुंचाने की कोशिश न करें।

अनिकेत सिंह राजपूत

शुभेच्छुक :- अंकित पाण्डेय, कृणाल त्रिपाठी, अमित त्रिपाठी, अभिषेक मौर्या, शैलेष मौर्या, रमेश मौर्या की तरफ से जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में यह उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही जमकर हुई खरीददारी के कारण आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 0.17 फीसदी करी 107.73 रुपये की बढ़त के साथ ही 61,980.72 पर बंद हुआ। आधे से अधिक शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 0.03 फीसदी या 6.25 अंक की बेहद हल्की बढ़त के साथ ही 18,409.65 पर बंद हुआ। इसमें 21 शेयर लाभ के साथ ही हरे जबकि 29 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। सबसे अधिक बढ़त बैंक निफ्टी में 0.38 फीसदी दर्ज हुई। इसके अलावा निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 0.34 फीसदी, निफ्टी आईटी में 0.29 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक में 0.29 फीसदी और निफ्टी प्राइवेट बैंक में 0.26 फीसदी बढ़त दर्ज की गयी। वहीं दसरी ओर, निफ्टी ऑटो में 0.38 फीसदी, निफ्टी मीडिया में 1.44 फीसदी, निफ्टी मेटल में 1.94 फीसदी, निफ्टी फार्मा में 0.29 फीसदी और निफ्टी रियल्टी में 1.03 फीसदी की गिरावट आई।

दूसरी ओर एशिया के अन्य बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नीचे आये पर जापान का निक्की उछला है। इसके अलावा यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट रही। अमेरिकी बाजार वॉल स्ट्रीट मंगलवार को बढ़त पर रहा। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.28 फीसदी ऊपर आकर 94.12 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

बजट में पूंजी लाभ कर व्यवस्था में बदलाव की संभावना

नई दिल्ली । बजट में इक्विटी शेयर, बॉन्ड और अचल संपत्ति पर लगने वाले पूंजी लाभ कर में बदलाव किया जा सकता है। एक अधिकारी ने कहा कि कर की विभिन्न दरों और संपत्ति रखने की अवधि में अंतर को दूर करने के लिए यह कदम उठाये जाने की संभावना है। उसने कहा कि अगले वित्त वर्ष के बजट में पूंजी लाभ कर में बदलाव की संभावना है। वित्त वर्ष 2023-24 का बजट संसद में एक फरवरी, 2023 को पेश किया जाएगा। पूंजी लाभ कर में संभावित बदलाव के सवालों का जवाब देते हुए केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन नितिन गुप्ता ने कहा` कि यह बजट प्रक्रिया का हिस्सा है। इसके बारे में कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। आयकर कानून के तहत पूंजीगत संपत्तियों चल और अचल दोनों की बिक्री से होने वाला लाभ पूंजी लाभ कर की श्रेणी में आता है। हालांकि कानून में कार, परिधान और फर्नीचर जैसी व्यक्तिगत चल संपत्तियों को बाहर रखा गया है। अधिकारी ने कहा` कि पक्षों से मिले सुझाव पर गौर कर रहे हैं। लहाल एक साल से अधिक समय तक शेयर रखने पर उस पर होने वाले दीर्घकालीन पूंजीगत लाभ पर 10 प्रतिशत कर लगता है।

एलआईसी ने आरसीएल का 3,400 करोड़ का कर्ज आरसीएल को बेचने के लिए उठाए कदम

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की एलआईसी ने कर्ज में फंसी रिलायंस कैपिटल लिमिटेड (आरसीएल) के 3,400 करोड़ रुपए के सुरक्षित मूल कर्ज को संपत्ति पुनर्निर्माण कंपनी (आरसीएल) को बेचने के लिए कदम उठाए हैं। बाध्यकारी बोली जमा करने की सीमा से कुछ ही दिन पहले एलआईसी की इस पहल से कर्जदाता और बोलीदाता परेशान हैं। रिलायंस कैपिटल लिमिटेड (आरसीएल) और उसकी अनुषंगी इकाइयों के लिये बोली जमा करने की अंतिम तिथि 28 नवंबर है। सूत्रों ने कहा एलआईसी आरसीएल में अपने कर्ज को बेचने के लिए संपत्ति पुनर्निर्माण कंपनियों (एआरसी) से बोलियां आमंत्रित करने के लिए स्विस चुनौती प्रक्रिया अपना रही है। संभावित बोलीदाताओं को पेशकश बेहतर करने को कहा जाएगा। स्विस चुनौती नीलामी प्रक्रिया बोली लगाने का एक तरीका है। इसे अक्सर सार्वजनिक परियोजनाओं में इस्तेमाल किया जाता है। इसमें इच्छुक पक्ष संबंधित अनुबंध या परियोजना के लिये बोली शुरू करता है। उसके बाद परियोजना का विवरण सार्वजनिक किया जाता है। इसमें रुचि रखने वाले अन्य लोगों से प्रस्ताव आमंत्रित किया जाता है। बोलियों की प्राप्ति पर पहले बोलीदाता को बेहतर बोली का मिलान करने का अवसर मिलता है। हालांकि, सूत्रों ने कहा कि एसेट केयर एंड रिकंस्ट्रक्शन एंटरप्राइजेज को जवाबी पेशकश का पहला अधिकार होगा। बोली जमा करने की अंतिम तिथि 25 नवंबर है, जबकि आरसीएल के लिए बाध्यकारी बोली जमा करने की तिथि 28 नवंबर है। सूत्रों के अनुसार, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के कदम से कर्जदाताओं की समिति (सीओसी) परेशान है।

इस वित्त वर्ष 5.4 लाख करोड़ तक पहुंच सकता है भारत का सब्सिडी बिल

बिजनेस डेस्क:

भारत सरकार गरीबों और किसानों को समर्थन देने के लिए हर साल सब्सिडी पर जितना खर्च करती है, उसमें इस साल करीब एक तिहाई से अधिक की उछाल आ सकती है। इसके चलते सरकार को दूसरे क्षेत्रों में होने वाले खर्च में कटौती करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। साथ ही उसे अतिरिक्त खर्च को पूरा करने के लिए और स्मॉल सेविंग्स फंड्स से पैसे भी लेने पड़ सकते हैं। न्यूज एजेंसी ब्लूमबर्ग ने सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है।

अनुमान से 2 लाख करोड़ अधिक रह सकता है सब्सिडी बिल

रिपोर्ट के मुताबिक भारत सरकार का इस वित्त वर्ष में फूड, फर्टिलाइजर और फ्यूल पर सब्सिडी का खर्च बढ़कर 5.4 लाख करोड़ रुपए (करीब 67 अरब डॉलर) पहुंच सकता है। जबकि सरकार ने बजट पेश करते हुए इसके लिए सिर्फ 3.2 लाख करोड़ रुपए का ही प्रावधान किया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। हालांकि कोरोना महामारी से लेकर यूक्रेन युद्ध के चलते कमोडिटी की कीमतों में आई उछाल के कारण वह इस समय अपने सब्सिडी बिल में तेज उछाल से जूझ रहा है। सब्सिडी बिल में बढ़ोतरी का लगातार तीसरा सालयह लगातार तीसरा वित्त वर्ष होगा, जब भारत का सब्सिडी बिल उसके बजट अनुमान से अधिक रहने वाला है। बता दें कि भारत सरकार के कुल खर्च का करीब 10त्न सब्सिडी पर खर्च होता है।

एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स पर इसी माह रिपोर्ट सौंपेगा कार्यबल

नई दिल्ली । सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा गठित कार्यबल ने एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स (एवीजीसी) क्षेत्र के लिए अपनी सिफारिशों को अंतिम रूप दे दिया है। इस कार्यबल का मकसद एवीजीसी क्षेत्र में भारत की समृद्ध विरासत को दर्शाने वाले कंटेंट को बढ़ावा देना है। कार्यबल इस माह के अंत में सरकार को अपनी सिफारिशें सौंप सकता है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव अपूर्व चंद्रा ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित 'बिग पिक्चर समिट' में कहा एवीजीसी कार्यबल ने अपने विचार-विमर्श को पूरा कर लिया है और रिपोर्ट अब लिखी जा रही है, और हमें उम्मीद है कि कार्यबल इस महीने ही एमआईबी को अपनी रिपोर्ट सौंप देगा। चंद्रा ने कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत में लगभग 25-30 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ 2025 तक वैश्विक बाजार में पांच प्रतिशत तक हिस्सा हासिल करने की क्षमता है। यह क्षेत्र सालाना पर 1.60 लाख से अधिक रोजगार के अवसर पैदा कर सकता है।

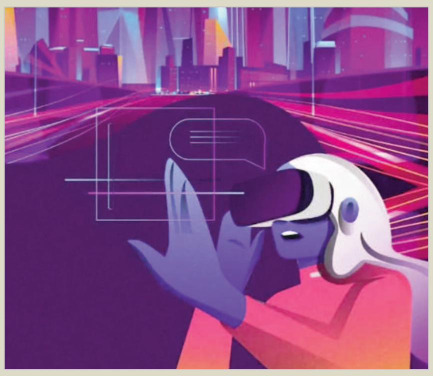

एक्सएल 750 ट्रांन्साल्प एडवेंचर बाइक से पर्दा उठा

- बीएमडब्ल्यू को मिलेगी अब कडी टक्कर

नई दिल्ली ।

जानीमानी कंपनी होंडा ने अपनी एक्सएल750 ट्रांन्साल्प एडवेंचर बाइक से पर्दा उठा दिया है। यह बाइक एक मिडिलवेट कैटेगरी की है, जिसे ट्रंफ 850 स्पोर्ट, बीएमडब्ल्यू एफ 850 जीएस और डूकाटी मल्टीस्ट्राडा वी2 से मुकाबला करने के लिए बनाया गया है।कंपनी ने इंटरनेशनल मोटरसाइकिल एक्जीबिशन में यह बाइक उतारी है। इसे भारत में लॉन्च किया जाएगा या नहीं इस पर कंपनी ने कोई टिप्पणी नहीं की है। बाइक में 5 राइडिंग मोड्स मिलते हैं। इसमें इंटिग्रेटेड व्हीली कंट्रोल के साथ इंजन पावर, इंजन ब्रेकिंग और होंडा सिलेक्टेबल टॉर्क कंट्रोल को बदल देता है। होंडा ने इस एडवेंचर टूरर में हल्के स्टील के डायमंड फ्रेम का इस्तेमाल किया है। इसे फ्रंट में 43 मिमी शोवा यूएसडी फोर्क्स और रियर में प्रो-लिंक शॉक एब्जॉर्बर द्वारा सस्पेंड किया गया है। बाइक को ऑफ-रोड के लिए तैयार किया गया है। इसमें 21 इंच का फ्रंट और 18 इंच का रियर टायर है।लुक्स के मामले में होंडा ने अफ्रीकन ट्विन को आगे बढ़ाने के बजाय सीबी500एक्स की ओर रुख किया है। इसलिए,

बाइक में सिंगल-पीस एलईडी हेडलैंप मिलता है। दिलचस्प बात यह है कि इस बाइक की फेयरिंग अब सीबी500एक्स की तुलना में अधिक मस्कुलर हो गई है। फीचर्स की बात करें तो एक्सएल750 ट्रांसल्प एडीवी में 5 इंच की टीएफटी स्क्रीन मिलती है, जिसे होंडा स्मार्टफोन वॉयस कंट्रोल सिस्टम से ब्लूटूथ से जोड़ा जा सकता है। ऑटो-कैंसल टर्न इंडिकेटर्स के साथ-साथ इमरजेंसी स्टॉप सिग्नल भी हैं।इंजन की बात करें तो इसमें बिल्कुल नया 755 सीसी, पैरेलल ट्विन इंजन लगा है, जो 9,500 आरपीएम पर 91 एचपी की पावर और 7,250 आरपीएम पर 75 एनएम का पीक टॉर्क आउटपुट पैदा करता है।

एक्सएल750 ट्रांसल्प एडीवी थ्रॉटल बाय वायर तकनीक से लैस है।

ओटीटी के लिए कानून तय करने के लिए अगले माह परामर्श पत्र जारी करेगा ट्राई

नई दिल्ली । भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) इंटरनेट के जरिए कॉल करने, संदेश भेजने और मनोरंजन एप के नियमन पर चर्चा के लिए दिसंबर में एक सार्वजनिक परामर्श पत्र जारी करेगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। दूरसंचार विभाग ने कॉल करने और संदेश सेवाएं देने वाली 'ओवर द टॉप (ओटीटी) ऐप के लिए कानूनी रूपरेखा तय करने के बारे में ट्राई से अनुशंसा देने का अनुरोध किया था। ट्राई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ट्राई के अधिकारी 25 नवंबर को ओटीटी पर एक प्रस्तुतीकरण देंगे। इसके बाद वे मुद्दे तय किए जाएंगे जिन पर चर्चा होनी है और फिर अगले महीने एक परामर्श पत्र जारी किया जाएगा। सरकार ने नए दूरसंचार विधेयक में कॉल और संदेश सेवा देने वाली ओटीटी ऐप को दूरसंचार सेवाप्रदाता कंपनी की श्रेणी में रखने प्रस्ताव किया है। विधेयक के मुताबिक, ओटीटी सेवाप्रदाताओं को भी 'अपने ग्राहक को जानिए' नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा।

निवेशकों ने नकारात्मक रिटर्न देने वाले शेयरों से बनाई दूरी

नई दिल्ली ।

निवेशक डिजिटल क्षेत्र की उन कंपनियों के शेयरों से दूरी बनाने लगे हैं जो निफ्टी इंडिया डिजिटल इंडेक्स का हिस्सा हैं और इसने पिछले एक साल में नकारात्मक रिटर्न दिया है।

यह इंडेक्स उन शेयरों के पोर्टफोलियो के प्रदर्शन को ट्रैक करता है जो व्यापक तौर पर आधारभूत उद्योगों के भीतर डिजिटल थीम का प्रतिनिधित्व करते हैं जैसे सॉफ्टवेयर, ई-कॉमर्स, आईटी सक्षम सेवाएं, औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार सेवा कंपनियां। इनमें से कुछ शेयरों में पिछले एक साल के दौरान गिरावट काफी तेज रही है और पीबी फिनटेक लिमिटेड के शेयर में करीब 60 फीसदी की नरमी देखने को मिली है। एफएसएन ई-कॉमर्स वेंचर्स, तानला प्लेटफॉर्म्स, एम्फैसिस, इंडियामार्ट इंटरमेश, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, वोडाफोन आइडिया, इन्फोसिस और आईआरसीटीसी गंवाने वाली अन्य कंपनियां हैं, जिनके शेयरों में इस अवधि में 12 फीसदी से लेकर 55 फीसदी तक की गिरावट आई है।

इसकी तुलना में निफ्टी डिजिटल इंडेक्स पिछले एक साल में करीब 19 फीसदी टूटा है जबकि निफ्टी-50 में 1.3 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। आईडीबीआई कैपिटल के एक शोध प्रमुख का मानना है कि विभिन्न एक साल में इन शेयरों में आई गिरावट के बाद निवेश को मामले दर मामले के आधार पर देखा जाना चाहिए। पिछले दो साल में डिजिटल क्षेत्र में कई कंपनियां सूचीबद्ध हुई। इनमें से कई कंपनियां लाभ नहीं कमा रही थी और मूल्यांकन काफी था। नायिका, पीबी फिनटेक, पेटीएम, नौकरी व जोमैटो जैसे कई शेयरों में तेज गिरावट आई। वैश्विक स्तर पर नैसडेक में भी खासी गिरावट आई है। हालांकि हम इस क्षेत्र में चुनिंदा आईटी व दूरसंचार पर नजर डाल सकते हैं। नई पीढ़ी की कंपनियों में निवेश अभी एक साल तक टाला जा सकता है।

सोना-चांदी और पाम तेल की बढ़ेगी कीमत!

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में पॉम तेल और सोने-चांदी की कीमतों में जल्द उछाल आ सकता है। वैश्विक बाजार में लगातार बढ़ती कीमतों को देखते हुए सरकार ने सोने-चांदी और पॉम तेल पर आयात शुल्क बढ़ा दिया है। इससे घरेलू बाजार में इनकी कीमतों पर भी दबाव दिखेगा। सरकार की कोशिशों से बीते कुछ समय से खाने के तेल की कीमतों में नरमी दिख रही थी। खबरों के मुताबिक वैश्विक बाजार में कीमतों के बढ़ने का दबाव सरकार पर भी था और यही कारण है कि सोने-चांदी के अलावा रिफाइंड पॉम तेल और आरबीडी पॉम तेल दोनों पर ही सरकार ने आयात शुल्क बढ़ाया है। क्रूड पॉम ऑयल का आयात शुल्क अभी तक 952 डॉलर था, जो अब बढ़कर 960 डॉलर हो गया है। इसी तरह, आरबीडी पॉम ऑयल का आयात शुल्क भी 962 डॉलर से बढ़ाकर 988 डॉलर प्रति टन कर दिया गया है। आरबीडी पॉमोलिन का आयात शुल्क भी सरकार ने बढ़ाकर 1,008 डॉलर कर दिया है, जो अभी तक 971 डॉलर प्रति टन रहा था। सरकार ने क्रूड सोया ऑयल का आयात शुल्क भी बढ़ाया है। अभी तक यह 1,345 डॉलर था जिसे बढ़ाकर 1,354 डॉलर प्रति टन कर दिया गया है। सरकार ने पॉम तेल के साथ सोने और चांदी पर भी आयात शुल्क बढ़ा दिया है।

सोने का आयात शुल्क 531 डॉलर प्रति 10 ग्राम से बढ़ाकर 570 डॉलर प्रति 10 ग्राम कर दिया है। वहीं चांदी के आयात शुल्क में 72 डॉलर का इजाफा किया है, जो अब बढ़कर 702 डॉलर प्रति किलोग्राम हो गया है। अभी तक यह 630 डॉलर प्रति किलोग्राम था।

ब्रेंट क्रूड में मामूली तेजी, पेट्रोल-डीजल की कीमत नहीं बदली

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 93.86 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में पिछले 24 घंटे के दौरान मामूली उछाल दिखा है, लेकिन घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर इसका असर नहीं पड़ा है। दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं हुआ है।

बुधवार को गौतमबुद्ध नगर जिले (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) में पेट्रोल का भाव 96.76 रुपए लीटर और डीजल का भाव 89.93 रुपए प्रति लीटर पर टिका हुआ है। गाजियाबाद में भी पेट्रोल कल के भाव 96.58 रुपए लीटर और डीजल 89.75 रुपए लीटर है। लखनऊ में पेट्रोल के दाम बुधवार को भी 96.57 रुपए लीटर और डीजल 89.76 रुपए लीटर पर स्थिर रहे हैं। कच्चे तेल में पिछले 24 घंटे में मामूली बदलाव हुआ है। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 93.86 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। वहीं डब्ल्यूटीआई में करीब 2 डॉलर का उछाल आया और यह 87.19 डॉलर प्रति बैरल पर है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.76 रुपए और डीजल 89.93 रुपए प्रति लीटर है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर है। पटना में पेट्रोल 108.12 रुपए और डीजल 94.86 रुपए प्रति लीटर है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर है।

गोकुल एग्रो की बिक्री तीन फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली ।

एफएमसीजी कारोबार करने वाली मल्टीबैगर कंपनी गोकुल एग्रो लिमिटेड ने सितंबर तिमाही के लिए अपनी बिक्री में 3 फ़ीसदी की तेजी आने की जानकारी दी है। गोकुल एग्रो रिसोर्सेस की नेट बिक्री 2776.2 करोड रुपए पर पहुंच गई है। पिछले साल की सितंबर तिमाही में कंपनी की बिक्री 2696 करोड़ पर थी। सितंबर तिमाही में गोकुल एग्रो रिसोर्सेस का नेट प्रॉफिट 35 फ़ीसदी बढ़कर 29.48 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। सितंबर 2021 में कंपनी का नेट प्रॉफिट 21.82 करोड़ पर था। पिछले साल की तुलना में गोकुल एग्रो का ऐ बिडेटा 34.7 फीसदी बढ़कर 69.49 करोड़ पर पहुंच गया। सितंबर 2022 तिमाही में गोकुल एग्रो का

ईपीएस बढ़कर 2.06 पर पहुंच गया है। साल पहले की अवधि में यह 1.65 था। मंगलवार 15 नवंबर को गोकुल एग्रो के शेयर एनएसई में 2.25 की कमजोरी के साथ 123 पर कारोबार कर रहे थे। गुजरात के अहमदाबाद की कंपनी गोकुल एग्रो ने अक्टूबर महीने के 5 दिन में ही अपने निवेशकों का पैसा डेढ़ गुना कर दिया है। इसने एक महीने में 43.84 फीसदी तो छह महीने में 32 फीसदी से अधिक का रिटर्न दिया है।

आईसीसी टी20 रैंकिंग में सूर्यकुमार शीर्ष पर बरकरार , हेल्स ने लगायी छलांग

गेंदबाजी रैंकिंग में इंग्लैंड के रशीद , करेन ऊपर आये

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय टीम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। सूर्या टी20 विश्व कप में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद से ही नंबर एक स्थान पर बरकरार हैं। सूर्यकुमार ने विश्वकप की पांच पारियों में तीन अर्धशतक लगाये थे। वहीं दूसरे नंबर पर पाक बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान हैं।

वहीं इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स ने 22 स्थानों की लंबी छलांग लगाई है। जिससे अब वह रैंकिंग में 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। हेल्स ने विश्वकप सेमीफाइनल में शानदार पारी खेली थी। वह इंग्लैंड की ओर से दूसरे सबसे सफल बल्लेबाज रहे। उन्होंने 42.40 की औसत से 212 रन बनाए।

वहीं शीर्ष दस बल्लेबाजों में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम भी एक स्थान ऊपर आये हैं। अब वह तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में शानदार पारी खेली थी। वहीं दक्षिण अफ्रीका के रिले रुसो सातवें जबकि न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्ल 8वें नंबर पर हैं। एरॉन फिंच नौवें और

पथुम निसांका दसवें नंबर पर हैं। वहीं गेंदबाजी रैंकिंग में इंग्लैंड के खिलाड़ी ऊपर आये हैं। सेमीफाइनल और फाइनल में अच्छी गेंदबाजी करने वाले इंग्लैंड के आदिल रशीद की रैंकिंग में सुधार हुआ है। रशीद 5 स्थानों के लाभ के साथ ही अब तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने सेमीफाइनल मैच में 20 रन देकर 1 जबकि फाइनल मैच में 22 रन देकर दो अहम विकेट लिए थे। वहीं टूर्नामेंट में सबसे सफल गेदबाज सैम करन 5वें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑलराउंडर की सूची में बांग्लादेश के शाकिब-अल हसन, अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी और हार्दिक पांड्या शीर्ष तीन में शामिल हैं।

वहीं गेंदबाजी रैंकिंग में भी इंग्लैंड के खिलाड़ी ऊपर आये हैं। सेमीफाइनल और फाइनल में अच्छी गेंदबाजी करने वाले इंग्लैंड के आदिल रशीद की रैंकिंग में सुधार हुआ है। रशीद 5 स्थानों के लाभ के साथ ही अब तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने सेमीफाइनल मैच में 20 रन देकर 1 जबकि फाइनल मैच में 22 रन देकर दो अहम विकेट लिए थे। वहीं टूर्नामेंट में सबसे सफल गेदबाज सैम करेन 5वें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑलराउंडर की सूची में बांग्लादेश के शाकिब-अल हसन, अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी और हार्दिक पांड्या शीर्ष तीन में शामिल हैं।

बल्लेबाजी रैंकिंग

1 सूर्यकुमार यादव- 859
2मोहम्मद रिजवान- 836
3 बाबर आजम- 778
4 डेवॉन कॉनवे -771
5 एडेन मार्करम-748
6 डेविड मलान-719
7 रिले रुसो-693
8 ग्लेन फिलिप्स-684
9 एरॉन फिंच- 680
10 पथुम निसांका- 673

एशियाई एयरगन प्रतियोगिता में भारत का स्वर्णिम प्रदर्शन जारी, अब तक 21 स्वर्ण पदक जीते

नई दिल्ली (एजेंसी)।भारतीय पिस्टल निशानेबाजों ने कोरिया के डेगू में 15वीं एशियाई एयरगन चैंपियनशिप में अपना स्वर्णिम प्रदर्शन जारी रखते हुए बुधवार को यहां प्रतियोगिता के दूसरे दिन दांव पर लगे चारों स्वर्ण पदक जीत लिए। प्रतियोगिता में अभी दो दिन और बाकी हैं और भारत 21 स्वर्ण पदक जीत चुका है। दिन की पहली पदक स्पर्धा के ऑल इंडिया फाइनल में रिद्धम सांगवान ने पलक को 16-8 से हराकर साल का अपना दूसरा अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीता। रिद्धम ने विश्व कप के काहिरा चरण के दौरान भी इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता था। एक अन्य ऑल इंडिया फाइनल में मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल महिला जूनियर स्पर्धा में ईशा सिंह को करीबी मुकाबले में 17-15 से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।

पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा के फाइनल में शिव नरवाल, नवीन और विजयवीर सिद्धू की तिकड़ी ने ली डेमयुंग, मोक जिन मुन और पार्क डेइहुन की कोरिया की टीम को 16-14 से शिकस्त दी। जूनियर पुरुष स्वर्ण में भी सागर डांगी, सम्राट राणा और वरूण तोमर की भारतीय टीम ने बाजी मारी। भारतीय तिकड़ी ने मुखामद कमालोव, नूरीद्दीन नूरीदिनोव और इल्खोमबेक ओबिदजोनोव को 10 मीटर एयर पिस्टल टीम पुरुष जूनियर स्पर्धा के फाइनल में एकतरफा मुकाबल में 16-2 से हराया।

खराब प्रदर्शन के कारण विलियमसन , मयंक और पूरन को उनकी आईपीएल टीम ने छोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सत्र के लिए हुई मिनी नीलामी में केन विलियमसन , मयंक अग्रवाल और निकोलस पूरन जैसे महंगे खिलाड़ियों को उनके खराब फार्म के कारण इस बार शामिल नहीं किया है। इन सभी खिलाड़ियों को दस करोड़ से ज्यादा की रकम मिल रही थी। विलियमसन और पूरन जहां सनराइजर्स हैदराबाद की टीम में थे वहीं मयंक पंजाब किंग्स में थे।

सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान विलियमसन रिलीज होने वाले सबसे महंगे खिलाड़ियों में से एक हैं। सनराइजर्स ने केन को पिछले साल 14 करोड़ रुपये में रीटेन किया था पर वह टीम को सफलता नहीं दिला पाये। टीम अंकतालिका में आठवें स्थान पर रही। सनराइजर्स हैदराबाद को पिछले सीजन में 5 मैचों में ही जीत मिली थी। इस को देखते हुए इस बार उन्हें अवसर नहीं दिया गया है।

वहीं दूसरी ओर गत सत्र में पंजाब किंग्स के कप्तान रहे मयंक अग्रवाल भी उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये थे। मयंक को आईपीएल के 15वें एडिशन में पंजाब किंग्स ने 14 करोड़ रुपये में रीटेन किया था पर टीम का प्रदर्शन खराब रहा। मयंक की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स छठे स्थान पर रही। वहीं मयंक 13 मैचों में 16.33 के खराब औसत से केवल 196 रन ही बना पाये।

वहीं वेस्टइंडीज के निकोलस पूरन बाहर होने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। वह गत वर्ष सनराइजर्स हैदराबाद टीम में शामिल थे। सनराइजर्स ने उन्हें अपने साथ 10.75 करोड़ में शामिल किया था। आईपीएल 2023 की मिनी नीलामी में रिलीज किए गए पूरन तीसरे सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। उन्हें भी उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं करने के कारण बाहर किया गया है।

विश्वकप की हार भुलाकर आगे बढ़ेंगे: पंड्या

ऑकलैंड (एजेंसी)। न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान बनाये गये ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने कहा कि अब वह विश्वकप की हार को भुलाकर आगे बढ़ना चाहते हैं और यही टीम से भी उम्मीद करेंगे। उन्होंने कहा कि हमें अभी से साल 2024 में होने वाले टी20 विश्व कप की योजना पर काम करन होगा। पंड्या ने कहा, 'टी20 विश्व कप में मिली हार से सभी निराश हैं पर हम पेशेवर खिलाड़ी हैं। हमें इस हार को भी उसी तरीके से लेकर आगे बढ़ना होगा, जैसा हम सफलता को लेकर चलते हैं। हमें अपनी गलतियों को सुधारना होगा और टीम की कमजोरी को दूर करना होगा। उन्होंने कहा कि अभी हमारा पूरा ध्यान न्यूजीलैंड सीरीज पर है। हम यहां बेहतर करने का प्रयास करेंगे।'

वहीं अनुभवी खिलाड़ियों के इस दौरे पर नहीं होने को लेकर पर पंड्या ने कहा, 'ये यही है कि वरिष्ठ खिलाड़ी इस बार साथ नहीं हैं पर हमारे पास काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। जो खिलाड़ी इस दौरे पर आए हैं। वो पिछले एक-दो साल से भारत के लिए खेल रहे हैं और इससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को समझने और अपने को साबित करने का समय मिलेगा। युवा खिलाड़ियों को लेकर मैं काफी उत्साहित हूं। इससे टीम में नया जोश और ऊर्जा आई है। 'वहीं उन्होंने मेजबान न्यूजीलैंड को लेकर कहा कि कीवी टीम हमेशा से ही टी20 प्रारुप में चुनौती पेश करती रही है। हाल ही में टी20 विश्व कप का सेमीफाइनल खेली है। एक टीम के रूप में न्यूजीलैंड हमेशा से ही आपको चुनौती देती रही है। इस बार भी हम यही उम्मीद कर रहे हैं। ऐसे में युवा खिलाड़ियों से हमें उम्मीद है कि वो इस चुनौती का डटकर मुकाबला करेंगे और टीम की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे। भारत और मेजबान कीवी टीम के बीच 18 नवंबर से टी20 सिरीज शुरु होगी।

भारत के खिलाफ श्रृंखला के लिये गुप्टिल और बोल्ट न्यूजीलैंड टीम से बाहर

ऑकलैंड(एजेंसी)। अनुभवी मार्टिन गुप्टिल और ट्रेंट बोल्ट को भारत के खिलाफ 18 नवंबर से शुरू हो रही सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिये न्यूजीलैंड टीम से बाहर कर दिया गया है। सलामी बल्लेबाज गुप्टिल को उदीयमान खिलाड़ी फिन एलेन को मौका देने के लिये बाहर किया गया है जबकि बोर्ड के केंद्रीय अनुबंध से बाहर रहने का फैसला करने वाले बोल्ट की जगह छह मैचों की श्रृंखला में किसी और को मौका दिया जायेगा। एलेन को टी20 और वनडे दोनों टीमों में जगह दी गई है। वह अब तक 23 टी20 और आठ वनडे खेलकर पांच अर्धशतक और एक शतक जमा चुके हैं। बोल्ट की गैर मौजूदगी में तेज आक्रमण का जिम्मा टिम साउदी, मैट हेनरी, लॉकी फर्ग्युसन , ब्लेयर टिकनेर और एडम मिल्ने संभालेंगे। मिल्ने ने आखिरी वनडे 2017 में खेला था। मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा कि बोल्ट और गुप्टिल को बाहर करना आसान नहीं था लेकिन टीम को आगे की ओर देखना है। उन्होंने कहा ,'' ट्रेंट ने जब अगस्त में न्यूजीलैंड क्रिकेट का अनुबंध छोड़ने का फैसला किया था तभी हमने संकेत दे दिये थे कि प्राथमिकता अनुबंधित खिलाड़ियों को दी जायेगी। हमें आगे की ओर देखना है और दूसरों को भी मौका दिया जाना जरूरी है।'' न्यूजीलैंड और भारत दोनों टीमों के लिये यह श्रृंखला अगले साल होने वाले विश्व कप की तैयारी का मौका है। स्टीड ने कहा,'' विश्व कप में अब एक साल से भी कम समय बचा है लिहाजा फिन को अनुभव दिये जाने की जरूरत है, खासकर भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ।'' केन विलियमसन दोनों प्रारूपों में कप्तान होंगे। श्रृंखला का कार्यक्रम = 18 नवंबर = पहला टी20, वेलिंगटन 20 नवंबर , दूसरा टी20, तौरंगा 22 नवंबर , तीसरा टी20 , नेपियर 25 नवंबर , पहला वनडे, आकलैंड 27 नवंबर , दूसरा वनडे, हैमिल्टन 30 नवंबर , तीसरा वनडे, क्राइस्टचर्च।

फीफा विश्व कप पांच अरब लोग देखेंगे : इनफेंटिनो

बाली ।विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) के प्रमुख जियानी इनफेंटिनो ने कहा है कि 20 नवंबर से कतर में होने वाले विश्व कप को दुनिया भर में पांच अरब लोग देखेंगे ।इनफेंटिनो अभी बाली में जारी जी 20 देशों के सम्मेलन में हिस्सा भाग लेने इंडोनेशिया आये हैं ।इनफेंटिनो ने इस दौरान दुनिया भर के नेताओं से आपसी तनाव और संघर्षों को समाप्त कर विश्व कप फुटबॉल का आनंद लेने की अपील की ।इनफेंटिनो ने कहा, 'विश्व कप खुशी और एकता का अवसर होना चाहिए ।इसे उम्मीद का सन्देश देना चाहिए ।' फीफा अध्यक्ष ने कहा कि फुटबॉल खेल के साथ ही एक आर्थिक गतिविधि के तौर पर भी अहम भूमिका निभाता है ।इससे लाखों नौकरियां पैदा होती हैं और आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलता है ।इनफेंटिनो को उम्मीद है कि कतर में विश्व कप को दुनिया में पांच अरब लोग देखेंगे जो दुनिया की आधी आबादी से ज्यादा है। दुनिया की आबादी आठ अरब है ।वहीं वर्ष 2031 में फीफा महिला विश्व कप की मेजबानी की दावेदारी को लेकर इनफेंटिनो ने कहा, 卐यह योजना और चीन की फुटबॉल क्लबों और युवा फुटबॉल में लिप्तता से क्षेत्रीय असंतुलन का समाधान करने में मदद मिलेगी और यह खेल के सम्पूर्ण विकास के लिए जरुरी है।

फीफा 2022 : मेसी ने इन तीन देशों को माना विश्व कप जीतने का प्रबल दावेदार

स्पोर्ट्स डेस्क ।कतर में फीफा विश्व कप खिताब जीतने के लिए अर्जेंटीना सबसे प्रबल दावेदारों में से एक मानी रही है। लियोनल मेसी की अगुवाई में अर्जेंटीना 36 साल के सूखे को खत्म करने की उम्मीदों के साथ फीफा विश्व कप में उतरेगी, लेकिन कप्तान मेसी का मानना है कि उनके खिताब जीतने के राह पर तीन देश ब्राजील, फ्रांस और इंग्लैंड सबसे बड़ी बाधा बन सकते हैं ।लियोनल मेसी ने एक इंटरव्यू में कहा,'जब भी हम कतर में होने वाले फीफा विश्व कप की दावेदार टीम के बारे में विचार करते हैं, तो मुझे लगता है कि ब्राजील, फ्रांस और इंग्लैंड बाकी टीमों से ऊपर रहने वाली हैं ।यह विश्व कप बहुत कठिन और जटिल है कि आगे कुछ भी हो सकता है ।हमारे पास टीम में कई सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं, जो विश्वकप खेलने के लिए काफी उत्साहित है ।' मेसी ने आगे कहा,'हम टूर्नामेंट के लिए बहुत उत्साहित हैं ।हमारे पास एक बहुत अच्छा समूह है जो उत्साही है, लेकिन हम चीजों को थोड़ा-थोड़ा करके आगे बढ़ा रहे हैं ।हम उम्मीद करते हैं कि हम विश्व कप की शुरुआत बेहतरीन तरीके से करेंगे ताकि बाद में आने वाली हर चीज का सामना कर सकें ।जितना अधिक आप खेलते हैं और जितना अधिक समय आप पिच पर बिताते हैं, उतना ही आप एक-दूसरे को जानते हैं ।' गौरतलब है कि पूर्व में अर्जेंटीना दो बार फीफा विश्व कप जीत चुकी है ।अर्जेंटीना की टीम फीफा विश्व कप में 22 नवंबर को सऊदी अरब के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी ।अर्जेंटीना के ग्रुप-सी में मैक्सिको और पोलैंड की टीमें भी शामिल हैं ।गौर हो कि मेसी इस बार अपना पांचवां विश्व कप खेल रहे हैं ।मेसी ने जर्मनी में 2006 के फीफा विश्व कप में सबसे पहली बार हिस्सा लिया था।

आयरलैंड ने पाकिस्तान को 34 रन से हराया, जीती ऐतिहासिक महिला टी20 श्रृंखला

लाहौर (एजेंसी)। गैबी लेवाइस (71) और एमी हंटर (40) की विस्फोटक शतकीय साझेदारी के बाद अर्लेन केली (20/3) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत आयरलैंड ने पाकिस्तान को तीसरे और निर्णायक महिला टी20 मुकाबले में बुधवार को 34 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 2-1 से जीत ली। आयरलैंड ने निर्णायक मैच में पाकिस्तान को 168 रन का लक्ष्य दिया, जिसके जवाब में मेजबान टीम 133 रन पर ऑलआउट हो गई। यह आयरलैंड महिला टीम का पहला पाकिस्तान दौरा था जहां एकदिवसीय सीरीज पाकिस्तान ने 3-0 से जीती थी। आयरलैंड ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का निर्णय लिया और एमी-गैबी की सलामी जोड़ी ने इसका भरपूर फायदा उठाया। दोनों ने पहले विकेट के लिए 110 रन की साझेदारी करके आयरलैंड को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। एमी ने 35 गेंदों पर तीन चौकों के साथ 40 रन बनाए जबकि गैबी ने 46 गेंदों पर 11 चौके और एक छक्का लगाकर 71 रन की अर्द्धशतकीय पारी खेली। इसके अलावा ओर्ला प्रेंटरगास्ट ने 23 गेंदों पर 37 रन बनाए जबकि रेबेका स्टोक्स ने 14 गेंदों पर नाबाद 17 रन की पारी खेलकर आयरलैंड को 167/4 के स्कोर तक पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान ने तेज शुरुआत की लेकिन लगातार विकेट गंवाना उन्हें भारी पड़ा। सलामी बल्लेबाज जवेरिया खान ने 37 गेंदों पर सात चौके लगाकर 50 रन बनाये लेकिन उन्हें किसी का साथ नहीं मिला। निदा दार ने 24 गेंदों पर 26 रन बनाए जबकि फातिमा सना ने 14 रन का योगदान दिया। पाकिस्तान के सात बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके और पूरी टीम 18.5 ओवर में 133 रन पर सिमट गई। आयरलैंड के लिए केली ने तीन ओवर में 19 रन देकर तीन विकेट लिये, जबकि लौरा डेलानी ने 2.5 ओवर में 20 रन देकर तीन विकेट चटकाए। इसके अलावा जेन माग्योर ने दो और इमर रिचडर्सन ने एक विकेट लिया।

विनेश फोगाट को बुल्गारिया में अभ्यास की मंजूरी मिली

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने भारतीय पहलवान विनेश फोगाट को बुल्गारिया के बेलमेकेन में पूर्व ओलंपिक रजत पदक विजेता सेराफिम बरजाकोव की देखरेख में ऊंचाई वाले स्थल पर अभ्यास करने की मंजूरी दे दी है। राष्ट्रमंडल खेलों में तीन बार की स्वर्ण पदक विजेता फोगाट के साथ उसके फिजियो अश्विनी पाटिल भी बेलमेकेन जाएंगे। बेलमेकेन समुद्र तल से लगभग 2600 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह 19 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शिविर सात नवंबर से शुरू होगा जिसमें कुछ अन्य शीर्ष पहलवानों जैसे बिलियाना डुडोवा (2021 विश्व चैम्पियनशिप स्वर्ण पदक विजेता) और एवेलिना निकोलोवा (2020 ओलंपिक कांस्य पदक विजेता) के भी शामिल होने की संभावना है। मंत्रालय ने कहा कि विनेश और उनके फिजियो का सारा खर्च भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के लक्ष्य ओलंपिक पोडियम कार्यक्रम (टॉप्स) के तहत उठाया जाएगा।

मंत्रालय ने कहा, 'टॉप्स के तहत विनेश को अन्य खर्चों के लिए प्रतिदिन 50 डॉलर भी दिए जाएंगे।' मंत्रालय टॉप्स के तहत ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया को 18-19 नवंबर तक न्यूयॉर्क में होने वाली बिल फेरेल इंटरनेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान करेगा। उसने कहा, 'इस प्रतियोगिता से बजरंग को अमेरिका में कुछ दिग्गज और उदीयमान पहलवानों से भिड़ने का मौका मिलेगा। हाल में समाप्त हुई विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2022 में अमेरिका ने पुरुषों की फ्रीस्टाइल कुश्ती में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था।'

पारस डोगरा की नाबाद शतकीय पारी से पुडुचेरी ने सेना को हराया

मुंबई (एजेंसी)। पारस डोगरा (नाबाद 129) की नाबाद शतकीय पारी के साथ केबी अरुण कार्तिक और अंकित शर्मा की अर्धशतकों की मदद से पुडुचेरी ने विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय टूर्नामेंट के ग्रुप ई मुकाबले में मंगलवार को यहां सेना को पांच विकेट से शिकस्त दी। डोगरा ने 121 गेंद की नाबाद पारी में आठ चौके और छह छक्के जड़े। उन्होंने कार्तिक और अंकित दोनों के साथ शतकीय साझेदारियां की। पुडुचेरी ने टॉस जीतकर सेना को बल्लेबाजी का न्योता दिया।

मुंबई के खिलाफ शतकीय पारी खेल कर सेना को जीत दिलाने वाले रवि चौहान ने लगातार दूसरे मैच में शतक जड़ा। उनकी 117 गेंद में नौ चौके और एक छक्का जड़ित पारी से टीम ने 50 ओवर में छह विकेट पर 302 रन बनाये। सेना के लिए राहुल सिंह ने 81 और कप्तान रजत पालिवाल ने 38 रन का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए पुडुचेरी ने दूसरे ओवर में ही अपने कप्तान आर रघुपति (एक रन) का विकेट गंवा दिया।

टीम में आठवें ओवर में 42 रन के स्कोर पर दूसरा विकेट भी गंवा दिया। इसके बाद डोगरा और कार्तिक (78) ने तीसरे विकेट के लिए 114 रन की साझेदारी कर मैच में पुडुचेरी की वापसी करायी। कार्तिक ने 73 गेंद की पारी में 10 चौके लगाये। डोगरा को इसक बाद अंकित (50 गेंद में 54 रन) के रूप में अच्छा साझेदार मिला। दोनों ने छठे विकेट के लिए 103 रन की साझेदारी कर मैच सेना की पकड़ से दूर कर दिया। दिन के एक अन्य मैच में महाराष्ट्र ने अजीम काजी की 97 गेंद में सात चौके और चार छक्के जड़ित 106 रन की पारी के दम पर बंगाल को तीन विकेट से शिकस्त दी। संदीप कुमार घरामी की 132 गेंद में 127 रन की पारी से बंगाल ने छह विकेट पर 279 रन बनाये लेकिन महाराष्ट्र ने आखिरी गेंद तक चले मुकाबले को सात विकेट पर 282 रन बनाकर अपने नाम कर लिया। ग्रुप के एक अन्य मैच में रेलवे ने मिजोरम को 254 रन के बड़े अंतर से हराया।

हार के बाद नडाल एटीपी फाइनल्स से बाहर, रूड सेमीफाइनल में

तूरिन। 22 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता रफेल नडाल एटीपी फाइनल्स में हारकर बाहर हो गए और एक बार फिर यह खिताब जीतने का उनका सपना अधूरा रह गया। शीर्ष वरीयता प्राप्त नडाल को पहली बार इस टूर्नामेंट में खेल रहे फेलिक्स आगर एलियास्मि ने 6 . 3, 6 . 4 से हराया। यह ग्रुप चरण में उनकी लगातार दूसरी हार थी ।इसके अलावा तीसरी वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड ने टेलर फ्रिट्ज को हराकर नडाल का बाहर होना तय कर दिया। इस नतीजे से कार्लोस अलकाराज का साल के आखिर में एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर बने रहना तय है। नडाल अपने कैरियर में दूसरी बार लगातार चार मैच हारे हैं।अमेरिकी ओपन और पेरिस के बाद यह उनकी लगातार चौथी हार थी। सत्र की शुरूआत में उन्होंने आस्ट्रेलियाई ओपन और फ्रेंच ओपन जीता था लेकिन चोट के कारण विम्बलडन सेमीफाइनल से हटना पड़ा। नडाल ने हार के बाद कहा,'मुझे नहीं लगता कि मैं टेनिस खेलना या मानसिक रूप से मजबूत होना भूल चुका हूं। मुझे सारी सकारात्मक चीजों को याद करके मजबूती के सथ वापसी करनी होगी।' नडाल ने दस प्रयासों में कभी भी एटीपी फाइनल्स नहीं जीता है ।वह 2010 और 2013 में उपविजेता रहे ।

विराट, रोहित के बिना भी बड़ी चुनौती पेश करेगी भारतीय टीम: विलियमसन

वेलिंगटन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कप्तान केन विलियमसन ने कहा है कि अनुभवी खिलाड़ियों विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा के टीम में नहीं होने के बाद भी भारतीय टीम में काफी गहरायी है। इसलिए इसे कम आंकना भूल होगी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 18 नवंबर से तीन मैचों की टी20 और उसके बाद इतने ही मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज में अनुभवी खिलाड़ियों के शामिल नहीं होने को लेकर जब विलियमसन से पूछा गया तब उन्होंने कहा कि भारतीय टीम में इतनी कड़ी चुनौती पेश करेगी। इस सीरीज में युवा तेज गेंदबाज उमरान मलिक को बड़े स्तर पर अपने को साबित करने का मौका दिया गया है।

विलियमसन ने अधिक क्रिकेट खेले जाने को लेकर भी चिन्ता जतायी। उन्होंने कहा कि आजकल इतना अधिक क्रिकेट खेला जा रहा है जो खिलाड़ियों के लिए ही नहीं बल्कि सहयोगी स्टाफ के लिये भी परेशानी का कारण है। उन्होंने कहा, ''हर दो या तीन दिन में मैच खेल रहे हैं जिसकी अपनी चुनौतियां हैं। ऐसे में दुनिया भर में खेल के अलग अलग प्रारूपों में संतुलन बनाने की जरूरत है।

खिलाड़ियों का एक बड़ा पूल है, जो ऐसा कर सकते हैं। सभी नहीं ऐसे में हमें खिलाड़ियों को तरोताजा बनाये रखने के लिए संतुलन बनाना होगा।'' वहीं विलियमसन से पूछा गया था कि क्या इंग्लैंड ने टी20 क्रिकेट खेलने के नये मानदंड तय किये हैं। तब उन्होंने कहा, कई मजबूत टी20 टीमें हैं और हमने टूर्नामेंट में देखा कि कई उलटफेर भी हुए हैं। इंग्लैंड ने काफी आक्रामक क्रिकेट खेला जो उनकी टीम के संतुलन के अनुरूप था। हर टीम अपनी ताकत पर काम करके उसके अनुरूप खेलना पसंद करती है।

ममेद्यारोव से करीबी मुक़ाबला हारे प्रज्ञानन्धा ,अर्जुन को डुड़ा नें हराया

सान फ्रांसिस्को ,यूएसए ।वर्ष 2022 चैम्पियन चैस टूर फाइनल के पहले दिन विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मेगनस कार्लसन , पोलैंड के यान डूड़ा, अजरबैजान के शाखरियार ममेद्यारोव और नीदरलैंड के अनीश गिरि जीत दर्ज करने मे सफल रहे जबकि भारत के युवा ग्रांड मास्टर आर प्रज्ञानन्धा और अर्जुन एरिगासी समेत यूएसए के वेसली सो और वितयनम के ले कुयांग लिम को हार का सामना करना पडा ।

गुजरात में पुराने रिकार्ड तोड़कर फिर एक बार भाजपा की बनेगी सरकार : अमित शाह

अहमदाबाद। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज अहमदाबाद के घाटलोडिया में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के नामांकन दाखिल करने से पहले एक जनसभा को संबोधित किया। अमित शाह ने कांग्रेस समेत आप पर कड़े प्रहार किए और कहा कि गुजरात में भाजपा अपने पुराने रिकार्ड़ तोड़कर फिर एक बार सरकार बनाएगी। अहमदाबाद की घाटलोडिया सीट पर दूसरे चरण में 5 दिसंबर को वोट डाले जाएंगे। दूसरे चरण के चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने का कल अंतिम दिन है। उससे पहले मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने आज शक्ति प्रदर्शन किया। अमित शाह के साथ भूपेन्द्र पटेल रैली स्वरूप अपने निर्वाचन क्षेत्र घाटलोडिया के जयवीर डेयरी, प्रभात चौक, चाणक्यपुरी ब्रिज, डमरू सर्कल, कारगिल सर्कल होते हुए चुनावी कार्यालय पहुंचे। इस मौके पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि भूपेन्द्र पटेल ही गुजरात के अगले मुख्यमंत्री होंगे। गुजरात में भाजपा अपने पुराने रिकार्ड तोड़कर भारी बहुमत के साथ फिर एक बार सरकार बनाएगी। कांग्रेस पर प्रहार करते हुए अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस हर साल नए वस्त्र धारण कर आ जाती है। 1990 से कांग्रेस सत्ता में नहीं है, बावजूद इसके उसने काम करने के बोर्ड लगा दिए हैं। भाजपा सरकार द्वारा किए कामों को सोनिया गांधी की तस्वीर के साथ कांग्रेस दिखा रही है। उन्होंने कहा कि 1985 से 1995 तक गुजरात सांप्रदायिक दंगों से पीड़ित था। साल के 365 दिनों में से 250 से अधिक दिनों तक गुजरात में कर्फ्यू रहता था। लेकिन भाजपा की सरकार आने के बाद गुजरात के हालात में सुधार हुआ और आज एक सुरक्षित और शांत राज्य बना है। गुजरात की भाजपा सरकार ने राज्य के प्रत्येक जिलों तक विकास कार्य पहुंचाने का काम किया है। एक समय था जब ग्रामीण इलाकों में । घंटे से अधिक बिजली नहीं मिलती थी। लेकिन 2005 के बाद सभी ग्रामीण इलाकों में 24 घंटे बिजली मिल रही है। अमित शाह ने कहा कि अयोध्या के राम मंदिर का उल्लेख करते हुए कहा कि जनवरी 2024 तक भगवान श्रीराम के दर्शन किए जा सकेंगे। हमने जनता से जो वादा किया था वह पूरा किया है। जम्मू-कश्मीर में धारा 370 को भी केन्द्र की भाजपा सरकार ने एक झटके में समाप्त कर दिया।

कांग्रेस ने 37 उम्मीदवारों की छठी सूची जारी की, 179 सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की छठी और अंतिम सूची जारी कर दी। छठवीं सूची में कांग्रेस ने 37 उम्मीदवारों की नामों की घोषणा की है। गुजरात विधानसभा की 182 में से कांग्रेस ने 179 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। जबकि तीन सीटों पर कांग्रेस ने राष्ट्रवादी कांग्रेस के साथ गठबंधन किया है। छठवीं सूची में कांग्रेस ने गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला के बेटे महेन्द्रसिंह वाघेला उत्तर गुजरात की बायड सीट से टिकट दिया है। अहमदाबाद जिले की विरमगाम सीट पर भाजपा प्रत्याशी हार्दिक पटेल के खिलाफ कांग्रेस ने लाखा भरवाड को मैदान में उतारा है। कांग्रेस की आज जारी उम्मीदवारों की सूची के मुताबिक पालनपुर से महेश पटेल, दियोदर से शिवाभाई भूरिया, कांकरेज से अमृतभाई ठाकोर, ऊंझा से अरविंद पटेल, विसनगर से किरीट पटल, बेचराजी भोपाजी ठाकोर, मेहसाणा से पीके पटेल, भिलोडा से राजु पारधी, बायड से महेन्द्रसिंह वाघेला, प्रांतिज से बहेचरसिंह राठौड, दहेगाम से वखतसिंह वाघेला, विरमगाम से लाखाभाई भरवाड, साणंद से रमेश कोली, नारणपुरा से सोनल पटेल, मणीनगर से सीएम राजपूत, असारवा से विपुल परमार, धोलका से अश्विन राठौड, धंधुका से हरपालसिंह चूडास्मा, खंभात से चिराग पटेल, पेटलाद से डॉ. प्रकाश परमार, मातर से संजय पटेल, मेहमदाबाद से जीवासिंह गडाभाई, ठासरा से किरीट परमार, कपड़वंज से काळूभाई डाभी, बालासिनोर से अजीतसिंह चौहाण, लूणावाडा से गुलाबसिंह, संतरामपुर सा गेंदलभाई डामोर, शहेरा से खतुभाई पगी, गोधरा से रश्मिताबेन चौहाण, कलोल से प्रभातसिंह, हालोल से राजेन्द्र पटेल, दाहोद से हर्षदभाई निनामा, सावली से कुलदीपसिंह राउजी, वडोदरा शहर से गुणवतराय परमार, पादरा से जशपालसिंह पढियार और करजण विधानसभा सीट से प्रीतेश पटेल को उम्मीदवार बनाया है।

सीआर पाटील के साथ बैठक के बाद भी नहीं बनी बात, निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे मधु श्रीवास्तव

वडोदरा। वडोदरा के वाघोडिया से भाजपा विधायक मधु श्रीवास्तव को मनाने में गुजरात प्रदेश भाजपा की सारी कोशिशें नाकाम हो गई हैं। गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने आज वडोदरा एयरपोर्ट पर करीब सवा घंटे मधु श्रीवास्तव के साथ बैठक कर उन्हें मनाने के हरसंभव प्रयास किया। लेकिन मधु श्रीवास्तव ने सीआर पाटील की एक नहीं सुनी और निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया। बता दें कि लगातार 6 दफा विधायक रहे वडोदरा के बाहुबली नेता मधु श्रीवास्तव को भाजपा ने इस बार टिकट नहीं दिय है। भाजपा की सूची जारी होने के साथ मधु श्रीवास्तव में बगावत का बिगुल फूंक दिया है। श्रीवास्तव को मनाने का भाजपा ने हरसंभव प्रयास किया है, लेकिन वह निर्दलीय चुनाव लड़ने को अडिग हैं। गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने आज मधु श्रीवास्तव को मनाने की अंतिम कोशिश की। वडोदरा के एयरपोर्ट पर सीआर पाटील और मधु श्रीवास्तव के बीच सवा घंटे तक बैठक हुई। जिसमें पाटील ने श्रीवास्तव को मनाने का काफी प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माने। पाटील के साथ बैठक के बाद भी श्रीवास्तव ने अपने तेवर बरकरार रखे और कहा कि सतीश निशाळिया भले ही मान गए हों लेकिन मैं मधु श्रीवास्तव हूं। उन्होंने कहा कि मैं निर्दलीय चुनाव लड़ूंगा और गुरुवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल करूंगा। बता दें कि वडोदरा में उम्मीदवारों की घोषणा के बाद मधु श्रीवास्तव, दिनेश पटेल और सतीश निशाळिया समेत भाजपा के तीन नेता नाराज हो गए थे। सतीश निशाळिया को भाजपा ने किसी प्रकार मना लिया है। लेकिन दिनेश पटेल और मधु श्रीवास्तव को मनाने में भाजपा को सफलता नहीं मिली। दिनेश पटेल और मधु श्रीवास्तव ने निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

सूरत पूर्व के आप उम्मीदवार ने नाम वापस लिया, आप का भाजपा पर दबाव का आरोप

सूरत। गुजरात विधानसभा को लेकर राज्य में सियासी हलचल तेज हो गई है। इन सबके बीच आज सूरत में अजीबोगरीब घटना सामने आई है। आप ने सूरत पूर्व सीट से कंचन जरीवाला को उम्मीदवार बनाया था और उन्होंने अपना नामांकन पत्र भी दाखिल कर दिया था। बीती रात 8 बजे अचानक खबर मिली कि कंचन जरीवाला लापता हैं। जिसके बाद आप के गुजरात प्रदेश प्रमुख गोपाल इटालिया और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कंचन जरीवाला और उनके परिवार को डराने-धमकाने का आरोप लगा दिया। लेकिन आज मामला ही पलट गया। आप के उम्मीदवार कंचन जरीवाला ने आज सुबह चुनाव से अपना नाम वापस ले लिया। इसे लेकर सूरत की राजनीति गरमा गई है। बता दें कि सूरत पूर्व सीट भाजपा ने सीटिंग विधायक अरविंद राणा और कांग्रेस ने असमल साइकल वाला को चुनाव मैदान में उतारा है। जबकि आप ने कंचन जरीवाला को उम्मीदवार बनाया था। लेकिन चुनाव से पहले ही कंचन जरीवाला ने अपना नामांकन वापस ले लिया है। नामांकन वापस लेने के बाद आप ने आरोप लगाया कि कंचन जरीवाला और उनके परिवार पर दबाव बनाया गया। जिससे परेशान होकर कंचन जरीवाला ने चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया। अरविंद केजरीवाल ने तो कंचन जरीवाला के अपहरण की आशंका जताई थी। केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा 'सूरत पूर्व के आप के उम्मीदवार कंचन जरीवाला और उनके परिजन कल रात से लापता हैं। इससे पहले भाजपा ने जरीवाला का नामांकन रद्द करने का प्रयास किया था, लेकिन उनका नामांकन स्वीकार कर लिया गया था। बाद में उन पर नामांकन वापस लेने का दबाव डाला जा रहा था। क्या उनका अपहरण किया गया है?' कंचन जरीवाला को लेकर गुजरात से दिल्ली तक राजनीति गरमा गई है। राज्यसभा के सांसद संजयसिंह ने आज पत्रकार वार्ता की, जिसमें उन्होंने कहा कि कंचन जरीवाला के कथित अपहरण का वीडियो जारी करेंगे। भाजपा की गुजरात में दयनीय स्थिति होने से वह लोकतंत्र का गला घोट रही है। गुजरात में भाजपा ने चुनाव से पहले हार मान ली है, इसलिए इस प्रकार के प्रयास कर रही है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह कंचन जरीवाला को जबरन आरओ ऑफीस में ले गई और उनका नामांकन रद्द करने का प्रयास किया। लेकिन सफल नहीं होने पर उनका भाजपा ने अपहरण कर लिया। उन्होंने कहा कि ऐसा लग रहा है जैसे गुजरात चुनाव में भाजपा सीधे चुनाव आयोग को चुनौती दे रही है। संजयसिंह ने कहा कि भाजपा ने अपने 2। साल के शासन में गुजरात में बहुत काम किया है तो उसे उम्मीदवार का अपहरण करने की जरूरत क्यों पड़ी?

गौरतलब है कंचन जरीवाला के नाम वापस लेने से सूरत पूर्व सीट पर भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला होगा। एआईएमआईएम ने सूरत पूर्व सीट से मुस्लिम उम्मीदवार को उतारा है। ऐसे में भाजपा सरलता से जीत सकती है।

टी.एम.पटेल इंटरनेशनल स्कूल ने बाल दिवस समारोह का आयोजन कर छात्रों के बीच एक और आकर्षण जमाया

अहमदाबाद। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन के अवसर पर 14 नवंबर को पूरे देश में बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर शहर के वेसु में टी.एम. पटेल इंटरनेशनल स्कूल द्वारा बाल दिवस समारोह का आयोजन किया गया।

बाल दिवस को बेहद खास बनाने के लिए शिक्षकों ने छात्रों को आकर्षित करने के लिए स्कूल में विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया। बाल दिवस समारोह में हर वर्ग के बच्चों और शिक्षकों ने भाग लिया। शिक्षकों द्वारा बच्चों के लिए एक विशेष सभा का आयोजन किया गया जिसमें शिक्षकों ने छात्रों के समक्ष गीत और नृत्य प्रस्तुत किया।

एचडीएफसी बैंक इंटरनेशनल फ्रॉड अवेयरनेस वीक 2022

अहमदाबाद। एचडीएफसी बैंक ने मंगलवार को साइबर धोखाधड़ी हमलों पर प्रयासों की एक श्रृंखला के साथ अंतर्राष्ट्रीय धोखाधड़ी जागरूकता सप्ताह मनाया और लोगों को इसके माध्यम से सुरक्षित बैंकिंग आदतों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया । बैंक नागरिकों को डिजिटल लेनदेन करते समय सुरक्षित बैंकिंग आदतों को प्रतिज्ञा करने के लिए प्रोत्साहित करता है और उन्हें अपनी गोपनीय बैंकिंग जानकारी (पासवर्ड, पिन, ओटीपी आदि) का खुलासा करने से बचने का सुझाव देता है ।) किसी को भी । नागरिकों से यह भी आग्रह किया गया है कि वे टेक्स्ट या व्हाट्सएप संदेशों के माध्यम से भेजे गए असत्यापित लिंक पर क्लिक करने से बचें । हेल्पलाइन / उपभोक्ता देखभाल नंबरों के लिए, केवल आधिकारिक वेबसाइट पर जाना और 1930 डायल करके बैंक और राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन को अनधिकृत लेनदेन की रिपोर्ट करना उचित है ।एचडीएफसी बैंक ने सेल्फ डिजिटल बैंकिंग प्रणाली के विभिन्न पहलुओं को कवर करते हुए अपने शाखा बैंकिंग कर्मचारियों के साथ एक कार्यशाला आयोजित करके हर महीने के पहले बुधवार को साइबर जागरूकता दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया है । यह प्रयास भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया है, जो बैंक द्वारा हाल ही में शुरू किए गए सतर्कता अभियान का हिस्सा हैं ।कार्यशाला में बैंक साइबर धोखेबाजों की कार्य प्रक्रिया, अनधिकृत लेनदेन की पहचान करने और रिपोर्ट करने की प्रक्रिया और अन्य मामलों को शामिल किया गया है । एचडीएफसी बैंक के मुख्य क्रेडिट अधिकारी श्री जिमी टाटा ने कहा, ञ्ज हमने सुरक्षित बैंकिंग प्रथाओं के बारे में सूचित करके ग्राहकों के ज्ञान को बढ़ाने के उद्देश्य से कई गतिविधियों को अंजाम देकर अंतर्राष्ट्रीय धोखाधड़ी जागरूकता सप्ताह-2022 मनाने का निर्णय लिया है । सुरक्षित बैंकिंग प्रणाली प्रत्येक नागरिक के लिए जीवन का एक तरीका बन जाना चाहिए । हमें डिजिटल लेनदेन करते समय सुरक्षित बैंकिंग के लिए क्या करें और क्या न करें के बारे में पूरी तरह से सुनिश्चित होना चाहिए क्योंकि हमें जीवित रहने के लिए सांस लेने की आवश्यकता है । एचडीएफसी बैंक ने साइबर धोखाधड़ी के हमलों से लड़ने के लिए कई कदम उठाए हैं, लेकिन यह एक सतत प्रक्रिया है, क्योंकि धोखेबाज नए तरीके खोजते रहते हैं और पैसे चुराते रहते हैं ।

अमर और उनका परिवार आपको हंसाने के लिए वापस आ गए हैं, शेमारुमी यमराज कॉलिंग 2 पर मज़े करें

नए विक्रम संवत में, आपकी पसंदीदा शेमारुमी भी आपके लिए नई दिलचस्प सामग्री के साथ तैयार है । शेमारुमी की यूएसपी की तरह इस नए साल में जीवन की विडंबनापूर्ण कहानियां एक बार फिर से खड़खड़ाहट की खुराक के साथ आपके परिवार तक पहुंचने वाली हैं, क्योंकि अमर और उनका परिवार शेमारुमी वापस आ रहे हैं । यमराज कॉलिंग की सफलता के बाद, श्रृंखला का दूसरा सीजन 14 नवंबर से शेमारूम पर स्ट्रीमिंग होगा ।पहले सीज़न में, जहां अमर मेहता ने जीवन के छोटे-छोटे पलों को जीना सीखा, उन्होंने जीवन का आनंद लेना सीखा, इस बार एक नए मोड़ के साथ, अमर मेहता और उनका परिवार आप सभी से मिलने आ रहे हैं । 7 एपिसोड के दूसरे सीज़न की थीम परिवार के साथ रहने वाले हर पल के बारे में है । इस बार भी, कहानी अमर मेहता और उनके परिवार के बारे में है । हंसमुख जीवन जीते हुए, अमरना बापूजी को ब्रेन ट्यूमर का पता चलता है, लेकिन उनके पास इलाज कराने के लिए पैसे नहीं हैं । दूसरी ओर, अमर का बेटा अभिषेक का सपना टूट गया है, जबकि अमर की पत्नी और बेटी का भी अपना तनाव है । इन सभी तनावों के कारण बापू घर छोड़ने के लिए तैयार हो जाते हैं । संशोधन करने के बाद, बापूजी एक शर्त पर परिवार के साथ रहने के लिए सहमत हो जाते हैं । अब अमर परिवार इस शर्त को पूरा कर पाएगा या नहीं? यमराज को यह पता लगाने के लिए कॉलिंग सीजन देखना होगा कि क्या बहुपुर के इलाज के लिए पैसा इकट्ठा किया जाएगा, और मेहता परिवार क्या नया जीवन सबक सीखेगा । क्या आप परिवार से मिलने को तैयार हैं?यमराज कॉलिंग 2 को धर्मेश मेहता ने डायरेक्ट किया है । तो वेबसीरीज में आपको पिछले सीज़न के अभिनेताओं के अभिनय का आनंद मिलेगा, जो कुछ भी करना है वह एक नए चरित्र का प्रवेश है । यमराज कॉलिंग 2 में देवेन भोजानी, नीलम पांचाल, मीजल व्यास और दीपक घीवाला भी हैं । देवेन भोजानी, जिन्होंने यमराज कॉलिंग के साथ अपना ओटीटी डेब्यू किया, दूसरे सीज़न को लेकर बहुत उत्साहित हैं । अमर मेहता का किरदार मेरे लिए खास है । मैंने भी इस किरदार को निभाने से कुछ सीखा है । पहले सीज़न के बाद, हम सभी दूसरे सीज़न को लेकर उत्साहित हैं । उम्मीद है कि इस बार दर्शक वेबसीरीज को पहले से ज्यादा पसंद करेंगे । नीलम पांचाल कहती हैं, पहला सीजन सफल होने पर दूसरे सीजन में जिम्मेदारी बढ़ जाती है । लेकिन, इस बार फिर, कहानी उतनी ही मजबूत है, कि हम सभी को विश्वास है कि दर्शकों को पहले सीज़न की तरह ही मज़ा आएगा । और इस बार भी, वेब श्रृंखला एक मजेदार संदेश देगी।'यह उल्लेखनीय है कि किन्नर गुजराती मनोरंजन क्षेत्र में उच्चतम और नवीनतम सामग्री वाला मंच है । शेमारूम पर हर हफ्ते एक नई फिल्म, वेबसीरीज या ड्रामा रिलीज हो रही है । यह 500 से अधिक गुजराती नाटक, फिल्में, वेब श्रृंखला के साथ दुनिया का एकमात्र मंच है । आनंद यह है कि आप दुनिया के किसी भी कोने से शेमारूमि पर अपनी भाषा मनोरंजन का आनंद ले सकते हैं ।

एरियल का नया मैटिक पाउडर और लिक्विड भारत का पहला डिटर्जेंट है जो 1 मशीन वॉश में 100 से अधिक सख्त दाग हटा देता है

डिटर्जेंट ब्रांड ने अपने नवीनतम अभियान के हिस्से के रूप में #ArielVs100Stains चुनौती लेने के लिए अपने ब्रांड एंबेसडर और सेलिब्रिटी शेफ संजीव कपूर के साथ हाथ मिलाया है।

वाशिंग मशीन निर्माताओं द्वारा अनुशंसित दुनिया का नंबर 1 ब्रांड एरियल, आपको मशीन के अंदर 1 वॉश में 100 से अधिक दाग हटाने की शक्ति देता है ताकि आपको कठोर दागों के बारे में चिंता करने की आवश्यकता न हो ।#ArielVs100Stain चुनौती लेने और यह साबित करने के लिए कि यह दावा सच है, एरियल ने सेलिब्रिटी शेफ संजीव कपूर के साथ साझेदारी की है।

हम अपने दैनिक जीवन में विभिन्न प्रकार के कठिन स्थानों का सामना करते हैं।कभी-कभी एक कपड़े में कई दाग होते हैं, या प्रत्येक कपड़ेके लोड में परिवार के विभिन्न सदस्यों के कपड़ों पर अलग-अलग प्रकार के दाग हो सकते हैं।ग्राहक अक्सर इन जिद्दी दागों को हटाने के लिए हैक का सहारा लेते हैं जो न केवल समय लेने वाले होते हैं बल्कि अंतत: असंतोषजनक परिणाम देते हैं।

फ्रंट और टॉप लोड वाशिंग मशीन के लिए डिज़ाइन किया गया, एरियल के नए मैटिक पाउडर और लिक्विड में स्टेन गार्ड तकनीक है जो हल्दी, तेल, घी, चॉकलेट, करी, मिट्टी, अचार, टमाटर केचप या पसीना, मेकअप, जैसे 100 से अधिक कठिन खाद्य दागों को मशीन के अंदर एक वोशमे धोकर निकाल देता है।यह ब्राइट रंगों खराब होने से भी बचाता है और कपड़ों को अच्छी खुशबू देता है।

शरत वर्मा, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, पीएंडजी इंडिया और फैब्रिक केयर हेड, पीएंडजी इंडियन सबकॉन्टिनेंट ने कहा, च्एरियल में, हम हमेशा अपने ग्राहकों के लिए सर्वश्रेष्ठ लॉन्ड्री इनोवेशन लाने का प्रयास करते हैं और हमारा लक्ष्य सबसे कठिन दागों को चमकीले रंगों से हटाना है। सबसे कठिन परिस्थितियाँ। बनाए रखने के लिए। हमारी #ArielVs100Stains चुनौती के साथ, हम अपने ग्राहकों के लिए 100 से अधिक कठिन दागों के लिए सबसे अच्छी सफाई लाकर फिर से सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं।चाहे हमारे ग्राहकों को एक लॉन्ड्री लोड में कई दागों का सामना करना पड़ रहा हो या अलग-अलग दिनों में अलग-अलग दागों का - एरियल समाधान है। हमें विश्वास है कि हर जगह हमारे ग्राहक नए एरियल मैटिक पाउडर और एरियल मैटिक लिक्विड के परिणामों से प्रसन्न होंगे।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-22 ।42 ।1, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)